पेज. 4 सभी ग्राम पंचायतें बारिश के पानी की निकासी

मालवा फर्स्ट

MALWA FIRST

स्वाभिमान ही हमारा अभिमान है

Periodicity- Weekly

RNI NO. MPHIN38290 (TC)

संपादक : ऐश्वर्य शर्मा

नीमच, बुधवार

24 जुलाई 2024

वर्ष 02, अंक 17, - मूल्य 02

E-mail: nmh.pawan@gmail.com

Contact: 9407423966, 8770664866

Commodity: Gold 69,269 Silver 87,400 Crude Oil 6,438 Natural Gas 205.40 Aluminium 215.30 Copper812.00

Budget 2024 - नई ताकत देने वाला बजट, पीएम मोदी का देश के नाम संबोधन; बोले- Skill को मिलेगी नई scale

Budget 2024 प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी (PM Narendra Modi) ने मंगलवार को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा पेश किए गए केंद्रीय बजट 2024 की सराहना की। प्रधानमंत्री ने एक वीडियो संदेश में इस बजट को लेकर कहा कि यह बजट समाज के हर वर्ग को मजबूत करता है। यह देश के गरीब गांव और किसान को समृद्धि के रास्ते पर ले जाएगा।

नई दिल्ली। Budget 2024- केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण (Union Finance Minister Nirmala Sitharaman) ने आज मोदी सरकार (Modi Government) के तीसरे कार्यकाल का पहला आम बजट पेश किया। बजट में किए गए प्रावधानों पर प्रधानमंत्री मोदी ने खुशी जताई और देश को बजट के बारे में बताया।

पीएम मोदी ने बजट को लेकर कहा कि पिछले 10 सालों में 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आए हैं। यह बजट नए मध्यम वर्ग के सशक्तिकरण के लिए है। इस बजट से युवाओं को असीमित अवसर मिलेंगे। इस बजट से शिक्षा और कौशल को नया आयाम मिलेगा। यह बजट नए मध्यम वर्ग को ताकत देगा...यह बजट महिलाओं, छोटे कारोबारियों, एमएसएमई की मदद करेगा।

The #BudgetForViksitBharat ensures inclusive growth, benefiting every segment of society and paving the way for a developed India.https://t.co/QwbVumz}YG— Narendra Modi (@narendramodi) July 23, 2024

इस बजट से रोजगार के कई अवसर पैदा होंगे

प्रधानमंत्री ने कहा कि बजट आदिवासियों, दलितों और पिछड़ों को मजबूत करने के उद्देश्य से मजबूत योजनाओं के साथ आया है। यह बजट वित्तीय भागीदारी सुनिश्चित करने में मदद करेगा। प्रधानमंत्री ने केंद्र की %रोजगार से जुड़ी प्रोत्साहन योजना% पर भी बात की। उन्होंने आगे कहा कि इससे रोजगार के कई अवसर पैदा होंगे। इस योजना के तहत सरकार नए लोगों को पहला वेतन देगी। अप्रेंटिसशिप कार्यक्रम के तहत गांवों के युवा देश की शीर्ष कंपनियों में काम कर सकेंगे।

गरीब और मध्यम वर्ग को ta& से मिले राहत

पीएम मोदी ने बजट को लेकर कहा कि ह्ष्ठ सरकार ने पिछले 10 साल में ये सुनिश्चित किया है कि गरीब और मध्यम वर्ग को लगातार ta& से राहत मिलती रहे। इस बजट में भी income ta& में कटौती और standard deduction में वृद्धि का बहुत बड़ा फैसला लिया गया है। ञ्जष्ठस् के नियमों को भी सरल किया गया है।

इन कदमों से हर टैक्सपेयर को अतिरिक्त बचत होने वाली है। पीएम ने किसान को लेकर कहा, %इस बजट का एक बहुत बड़ा फोकस देश के किसान है। अन्न भंडारण के लिए दुनिया की सबसे बड़ी स्कीम के बाद अब हम Vegetable Production Clusters बनाने जा रहे हैं।

इससे छोटे किसानों को सब्ज़ियों-फल, अन्य उपज के लिए नए बाजार मिलेंगे और बेहतर दाम मिलेंगे।

स्स्स्थ को मिलेगा प्रगति का रास्ता

पीएम मोदी ने कहा, इस बजट से छोटे व्यापारियों, एमएसएमई को अपनी प्रगति का नया रास्ता मिलेगा। बजट में मैन्युफैक्चरिंग पर भी बल दिया गया है और इंफ्रास्ट्रक्चर पर भी बल दिया गया है।

इससे आर्थिक विकास को नई गति मिलेगी और गति को भी निरंतरता मिलेगी। रोजगार और स्वरोजगार के लिए यह एक अवसर देता है।

SAVE WATER
SAVE TREE

सुप्रीम कोर्ट ने किया फैसला, दोबारा नहीं आयोजित होगी नीट यूजी परीक्षा

सुप्रीम कोर्ट में न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ जस्टिस जेबी पारदीवाला और मनोज मिश्रा की पीठ द्वारा नीट यूजी 2024 को लेकर दर्ज 40 से अधिक याचिकाओं पर सुनवाई जारी है। अभी तक की सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने विभिन्न मामलों पर चर्चा की है। लेकिन इन सबके बाद भी सुप्रीम कोर्ट अभी भी परीक्षा को पूरी तरह से रद्द करने के पक्ष में नहीं दिखाई दे रहा है।

नई दिल्ली। राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा - यूजी (NEET UG) 2024 एग्जाम को लेकर दायर हुई याचिकाओं की सुनवाई देश के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और मनोज मिश्रा की पीठ द्वारा शुरू हो चुकी है। पीठ द्वारा उच्चतम न्यायालय में दायर 40 से अधिक याचिकाओं सुनवाई होनी है। इस सुनवाई में कई बिंदुओं पर अभी तक चर्चा हो चुकी है। कुछ ही देर में सीजेआई अपना फैसला सुना सकते हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने सुनाया फैसला

सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने नीट यूजी परीक्षा पर फैसला सुनाया है। सुप्रीम कोर्ट ने पुरे देश में पेपर लीक के पर्याप्त सबूत न होने के चलते परीक्षा को दोबारा करवाने से इन्कार कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने नीट यूजी की सुनवाई के बाद फैसला रखा सुरक्षित।

हुड्डा ने कहा, परीक्षा होनी चाहिए रद्द याचिकाकर्ता वकील नरेंद्र हुड्डा ने कोर्ट में कहा है कि इस परीक्षा से अगर 1000 छात्रों को भी लाभ हुआ है तो एग्जाम को रद्द कर देना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि सरकार इस बारे में हलफनामा दे कि पेपर हजारीबाग व पटना के बाहर लीक नहीं हुआ है।

लांच के बाद सुनवाई शुरू

नीट यूजी पर आज ही सुनवाई पूरी की जाएगी, सीजीआई ने कहा हम छात्रों को लटकाकर नहीं रख सकते।

सीजीआई ने परीक्षा दोबारा कराने के दिए संकेत। सीजीआई ने कहा की नीट यूजी परीक्षा 2024 लीक हुई थी। इसकी शुरुआत हजारीबाग से हुई।

अभी तक की सुनवाई से ऐसा लग रहा है कि पीठ द्वारा परीक्षा को रद्द करने का कोई भी विचार नहीं है। लंच के बाद दोपहर 2 बजे दोबारा शुरू होगी सुनवाई।

शिकायतों को हाई कोर्ट में ले जाने को कहा

जस्टिस डी वाई चंद्रचूड़ ने नीट यूजी पर सुनवाई करते हुए कहा कि जिन अभ्यर्थियों की व्यक्तिगत शिकायतें हैं वे अपने मामलों को लेकर हाई कोर्ट में जा सकते हैं।

प्रश्न संख्या 19 के सही उत्तर पर हुई चर्चा

ष्टछ्वढ्ढ ने सोमवार, 22 जुलाई की शाम तक फैसला सुनाए जाने को कहा था, लेकिन प्रश्न संख्या 19 के सही उत्तर पर ह्रञ्ज की प्रतिक्रिया मंगलवार तक सबमिट करने के आदेश दिया गया था। इसकी सुनवाई में चीफ जस्टिस डी वाई चंद्रचूड़ ने कहा हमें आईटीआई दिल्ली की ओर गठित तीन लोगों की रिपोर्ट मिल गई है जिसके मुताबिक इस प्रश्न का विकल्प 4 सही है।

स्वावलंबन, भारतीय गांवों की है मुख्य शक्ति और विशेषता - मुख्यमंत्री डॉ. यादव

गौ-माता की सुरक्षा के लिए राज्य सरकार द्वारा उपलब्ध कराई जाएगी राशि

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने ग्रामीण जीवन को बनाया सुविधाजनक और विकासपरक

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किया आत्मनिर्भर पंचायत-समृद्ध मध्यप्रदेश पर तीन दिवसीय संगोष्ठी का शुभारंभ

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि स्वावलंबन ही भारतीय गांव की मुख्य शक्ति और उनकी विशेषता रही है। हजारों साल की गुलामी के बावजूद भारतीय समाज ने अपने सांस्कृतिक स्वरूप और मूल्यों को गाँवों के स्वावलंबन के बल पर ही अक्षुण्य बनाए रखा है। आत्मनिर्भर पंचायत-समृद्ध मध्यप्रदेश विषय पर संगोष्ठी, पंचायतों और ग्रामों को आर्थिक रूप से अधिक सशक्त और विकास परक बनाने में प्रभावी रूप से सहायक होगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा आत्मनिर्भर पंचायत- समृद्ध मध्य प्रदेश विषय पर कुशाभाऊ ठाकरे कन्वेंशन सेंटर में आयोजित संगोष्ठी के शुभारंभ अवसर पर यह बातें कही। उन्होंने दीप प्रज्ज्वलित कर संगोष्ठी का शुभारंभ किया। पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री प्रहलाद पटेल, किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री श्री ऐदल सिंह कंषाना, पशुपाल राज्य मंत्री श्री लखन पटेल एवं पंचायत एवं ग्रामीण विकास राज्य मंत्री श्रीमती राधा सिंह तथा अपर मुख्य सचिव श्री मलय श्रीवास्तव विशेष रूप से उपस्थित थे ।

हर घर में जल और हर खेत में सिंचाई के लिए हो रहे हैं विशेष प्रयास

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने श्रावण मास में आरंभ हुई तीन दिवसीय कार्यशाला में महाकाल बाबा के जयघोष के साथ अपना संबोधन आरंभ करते हुए कहा कि भारतीय गाँव अनुशासित, संयमित और परम्परा व मूल्यों के अनुसार जीवन जीने के उत्कृष्ट उदाहरण हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के स्वावलंबी ग्राम की व्यवस्था को सशक्त करने के प्रयासों से ग्रामीण जीवन अधिक सुविधाजनक हो रहा है और ग्रामीणों को प्रगति के भी पर्याप्त अवसर उपलब्ध हो रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा हर घर में नल से जल उपलब्ध कराने के लिए जल जीवन मिशन संचालित है तथा हर खेत में सिंचाई के लिए पानी की व्यवस्था के उद्देश्य से स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार पूरे प्रदेश में प्रयास किए जा रहे हैं। इस दिशा में नर्मदा घाटी विकास के परिणाम सबके सामने हैं। केन-बेतवा लिंक परियोजना के लिए प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा मध्यप्रदेश और उत्तरप्रदेश को 45-45 हजार करोड़ रूपए उपलब्ध कराए गए हैं। कालीसिंध-पार्वती और चंबल लिंक परियोजना की गतिविधियां आरंभ हो रही हैं। प्रदेश में सिंचाई का रकबा बढ़ने से किसानों का भी आर्थिक सशक्तिकरण हो रहा है।

दस से अधिक गाय पालने वालों को मिलेगा अनुदान

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था के आधार खेती के साथ-साथ पशुपालन को भी राज्य सरकार विशेष महत्व दे रही है। वृद्ध, अस्वस्थ, अपाहिज व असहाय गायों को पालने के लिए राज्य सरकार द्वारा राशि उपलब्ध कराई जाएगी। कांजी हाऊसों को गौ-शाला के रूप में विकसित किया जाएगा और ऐसी गायों की व्यवस्था कांजी हाऊस में की जाएगी। गायों पर दिए जाने वाले अनुदान की राशि में भी वृद्धि की गई है, जो किसान 10 से अधिक गाय पालेंगे, उन्हें अनुदान उपलब्ध कराया जाएगा। इसके साथ ही फसलों के समान दूध पर बोनस उपलब्ध कराने की व्यवस्था भी आरंभ की जाएगी। गौ-माता की संवदेनशीलता और आत्मीयता अद्भुत है, गौ-पालन को प्रोत्साहन देने के लिए भी राज्य शासन द्वारा विशेष नीति बनाई जा रही है।

प्रदेश में आयुर्वेदिक केन्द्र विकसित किए जाएंगे

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश प्राकृतिक सौन्दर्य से भरपूर है, यहाँ आयुर्वेदिक औषधियों की भी भरपूर सम्पदा है। प्रदेश में आयुर्वेदिक केन्द्र भी विकसित किए जाएंगे। प्रदेश में लघु, कुटीर उद्योग तथा बहनों के स्व-सहायता समूहों के उत्पादों को बाजार उपलब्ध कराने व आय में वृद्धि के लिए हरसंभव व्यवस्था की जाएगी। प्रधानमंत्री श्री मोदी की मंशा के अनुरूप किसान, महिला, युवा और गरीब को जोड़ते हुए, उन्हें सशक्त बनाते हुए मध्यप्रदेश आगे बढ़ेगा, पंचायतें भी आत्मनिर्भर होंगी और प्रदेश की समृद्धि को बढ़ाएंगी।

पंचायतों के सम्मुख चुनौतियों और ई-पंचायत व्यवस्था पर भी होगी चर्चा

पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री प्रहलाद पटेल ने कहा कि आत्मनिर्भर पंचायत-समृद्ध मध्यप्रदेश पर संगोष्ठी पंचायतराज व्यवस्था को अधिक प्रभावी और सशक्त बनाने में मील का पत्थर सिद्ध होगी। उन्होंने कहा कि कृषि को लाभकारी बनाने, हरित मध्यप्रदेश, शहरीकरण से पंचायतों पर प्रभाव, केन्द्र पोषित योजनाओं का क्रियान्वयन, पेसा अधिनियम का क्रियान्वयन तथा वन क्षेत्र से लगी पंचायतों के सम्मुख चुनौतियों पर चर्चा के साथ ही ई-पंचायत व्यवस्था और पंचायतों की कार्य प्रणाली में वित्तीय अनुशासन तथा पारदर्शिता आदि विषयों पर चर्चा होगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किया प्रदर्शनी का अवलोकन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर आत्मनिर्भर पंचायत-समृद्ध मध्य प्रदेश विषय पर लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। उन्होंने द्रव्य जीवामृत, सामुदायिक जैव संसाधन केंद्र, मनरेगा से आजीविका, संवर्धन पोषण शिक्षा, सामुदायिक पोषण वाटिका और प्राकृतिक खेती पर मंडल मॉडल के स्टॉल देखे।

जिला एवं जनपद पंचायतों के अध्यक्ष, मुख्य कार्यपालन अधिकारी, सरपंचों के लिए आयोजित तीन दिवसीय संगोष्ठी में लगभग 500 प्रतिभागी शामिल हो रहे हैं। आभार प्रदर्शन जर्मन कार्पोरेशन (जीआइजेड) के प्रोग्राम डायरेक्टर श्री फरहद वानिया ने किया।

शासकीय भूमि, आबादी भूमि पर अवैध कब्जा करने वालों के विरूद्ध कार्यवाही कर कब्जा हटवाएं-श्री जैन

कलेक्टर ने की जनसुनवाई- 85 आवेदकों की सुनी समस्याएं

नीमच। जिले में शासकीय जमीनों, आबादी की भूमि पर अवैध रूप से कब्जा करने वालों के विरूद्ध कार्यवाही कर अवैध कब्जा हटवाये। तहसीलदार एवं जनपद सीईओ संयुक्त भ्रमण कर मौके पर जाकर कार्यवाही करें।

यह निर्देश कलेक्टर श्री दिनेश जैन ने मंगलवार को कलेक्टोरेट में जनसुनवाई करते हुए भाटखेडी मनासा के संजय विनोद शर्मा के आवेदन पर सुनवाई करते हुए दिए। ग्राम भागल बुजुर्ग मनासा के बाबुलाल बंजारानेवर्षो पुरानी खाई में खेत का पानी नही निकालने देने वालों के विरूद्ध कार्यवाही करने संबंधी आवेदन पर कलेक्टर ने तहसीलदार व थाना प्रभारी कुकडेश्वर को संयुक्त रूप से मौके का भ्रमण कर कार्यवाही करने के निर्देश भी दिए है ।

जनसुनवाई में गिरदौडा निवासी चंद्रकला यादव ने कानाखेडा रोड पर अपनी ढाई बीघा जमीन पर सुरेश पटवारी व्दारा किए गए अवैध कब्जे हो हटाने तथा खेत के टुकडे-टुकडे कर विक्रय से मिली राशि दिलाने संबंधी आवेदन पर कलेक्टर श्री जैन ने प्रभारी अधिकारी भू-अभिलेख नीमच को प्रकरण की जांच कर संबंधित सुरेश पटवारी के विरूद्ध कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

कीरता की लीलाबाई भील के आवेदन पर कलेक्टर ने सिविल सर्जन नीमच की लीलाबाई की सर्जरी एवं उपचार करवाने के निर्देश दिए। नाईयों की गली नीमच सिटी निवासी शोकीन लाल जैन नेग्राम पंचायत कानाखेडा में मिले आवासीय भूखण्ड पर एक ग्रामीण व्दारा किए गऐ अवैध मकान निर्माण को हटाकर भूखण्ड का कब्जा दिलाने संबंधी आवेदन पर कलेक्टर ने तहसीलदार नीमच को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए है।

जनसुनवाई में चेनपुरा के मोहनलाल मीणा, पिपलियाहाडा के देवीलाल, बाबुलाल, पप्पुलाल, ग्वालदेविया के चम्पालाल गुर्जर, बघाना की बादाम बाई, बिसलवासखुर्द के बाबुलाल, खजुरिया के रतनलाल, नीलियां के जमनालाल, अयोध्या बस्ती पिपलियामंडी के रमेश, खोर के भगतराम, सादडी रोड बघाना की लतादेवी, जावद की रामकन्याबाई, पिपलोन के भारत पाटीदार, जावद के मोहम्मद शरीफ, राजपुरिया की मुन्नीबाई, कदवासा के धमेन्द्र, मनासा की संगीताबाई, खजूरिया के रामचंद्र, किशन, सांडिया की लीलाबाई आदि ने भी अपनी समस्याओं से संबंधी आवेदन प्रस्तुत किए।

जिस पर कार्यवाही करने के निर्देश कलेक्टर एवं एडीएम व्दारा संबंधित जिला अधिकारियों को दिए गए।

रोटरी डायमंड नीमच को मिले अनेक अवार्ड, आशीष गर्ग चेम्पियन ऑफ चेंज अवार्ड से सम्मानित

नीमच। सामाजिक सेवा गतिविधियों में अग्रणी संस्था रोटरी अंतराष्ट्रीय मण्डल 3040 का वर्ष 2023-24 का अवार्ड समारोह चितौड़गढ़ के इमेजिका निजी रिसोर्ट में आयोजित हम उत्सव आयोजन में मण्डल के लगभग 98 क्लब शामिल हुए आयोजन में सभी क्लबो की कार्यशैली के आधार पर उन्हें अवार्ड देकर पुरुस्कृत किया गया।वही नीमच के रोटरी डायमंड को पब्लिक इमेज, ब्लड डोनेशन केम्प,अधिकाधिक डिस्ट्रिक्ट इवेन्ट अटेंडेंस,साइटेशन अवार्ड,कुआँ निर्माण रोटरी डायमंड गार्डन सहित अनेक अवार्ड क्लब ने प्राप्त कर मण्डल में अपना स्थान बनाया। क्लब के निर्वतमान अध्यक्ष गौरव पाराशर सचिव सौरभ शर्मा ने इन सभी अवार्डों का श्रेय क्लब के सभी सदस्यों को दिया व उनका वर्षभर सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया एवं डिस्ट्रिक्ट गवर्नर 2023-24 डॉ. रितु ग्रोवर का धन्यवाद प्रेषित किया। जानकारी देते हुए क्लब अध्यक्ष ने बताया कि अवार्ड समारोह में क्लब के पूर्व अध्यक्ष आशीष गर्ग (बामनबर्डी) को चेम्पियन ऑफ चेंज, रोटरी हमराही रैली सपोर्टेड व वोकेशनल सर्विस,यूथ सर्विस जैसे चार अवार्ड से सम्मानित किया गया। क्लब सचिव संजय सोनी ने सभी सदस्यों को इस सत्र को ओर अधिक नई ऊंचाइयों पर ले जाने हेतु विश्वास जताया।

क्लब प्रवक्ता धीरज गांधी ने बताया रोटरी डायमंड जिले में लगातार 11 वर्षो से गरीब,दिन-दुखियो ओर पीड़ितो की सेवा में हर दम अग्रणीय रहा है। लगातार बढ़ते क्रम में असहायों और मानवीय सेवाओं में अपनी भागीदारी निभाता आया है।

आयोजन में मण्डलाध्यक्ष अनीश मलिक अवार्ड सेरेमनी चेयरमैन मनोज चण्डक को चेयरमैन राजेश मोदी मण्डल ट्रेनर संजीव गुप्ता,पूर्व मंडलाध्यक्ष अशोक तांतेड़,धीरन दत्ता, 2025-26 मंडलाध्यक्ष सुशील मल्होत्रा 2026-27 मंडलाध्यक्ष संस्कार कोठारी व दीप्ति कोठारी सहित क्लब से रोटे. सुदीप भामावत उपस्थित थे।।

हरित नीमच अभियान में सभी की भागीदारी जरूरी -श्री परिहार पौधारोपण के साथ पौधों का संरक्षण भी जरूरी - श्रीमती चौपड़ा

8 से अधिक संस्थाओं की उपस्थिति में हरित नीमच अभियान प्रारंभ

नीमच। मध्यप्रदेश शासन द्वारा प्रारम्भ किए गए %एक पेड़ माँ के नाम% अभियान के तहत नगरपालिका परिषद् नीमच द्वारा नपाध्यक्ष श्रीमती स्वाति-गौरव चौपड़ा के नेतृत्व में शहर को हरियाली से परिपूर्ण करने के लिए %हरित नीमच% अभियान की प्रभावी शुरूआत मंगलवार 23 जुलाई को स्थानीय जाजू कन्या महाविद्यालय के सामने पौधारोपण कार्यक्रम से हुई। कार्यक्रम में विधायक श्री दिलीपसिंह परिहार, नपाध्यक्ष श्रीमती स्वाति-गौरव चौपड़ा, भाजपा जिलाध्यक्ष श्री पवन पाटीदार, नपा उपाध्यक्ष श्रीमती रंजना-करणसिंह परमाल ने 8 से अधिक संस्थाओं, नपा सभापतिगण, पार्षदगण, गणमान्यजन व वार्ड क्र. 25, 34 व 35 के रहवासियों के साथ डिवाइडर पर विभिन्न प्रजाति के पौधों का रोपण कर पर्यावरण सुरक्षा का संदेश दिया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक श्री परिहार ने कहा कि आज से नीमच शहर में %हरित नीमच% अभियान की शुरूआत की जा रही है। सभी शहरवासी इस अभियान में भागीदारी निभाकर शहर में हरित क्रांति का आगाज करें।

इस अवसर पर नपाध्यक्ष श्रीमती चौपड़ा ने कहा कि %हरित नीमच% अभियान नीमच में आंदोलन बने और प्रत्येक नागरिक अभियान का हिस्?सा बनने के साथ ही पौधारोपण कर पौधों को बड़ा करने का भी संकल्प भी लें क्योंकि पौधारोपण के साथ ही पौधों का संरक्षण भी जरूरी है।

कार्यक्रम को ब्रह्माकुमारी आश्रम के प्रमुख श्री सुरेन्द्र जैन, संकल्प पर्यावरण मित्र संस्?था के अध्?यक्ष श्री किशोर बागड़ी, नगर समस्या एवं सुझाव ग्रुप के श्री विवेक खंडेलवाल ने भी संबोधित किया। पौधारोपण कार्यक्रम में संकल्प पर्यावरण मित्र संस्?था, रोटरी डायमण्?ड, प्रजापिता ब्रह्माकुमारी संस्थान, नगर समस्या एवं सुझाव ग्रुप, स्वच्छ नीमच अभियान संस्था, जाजू कन्या महाविद्यालय, सी.एम. राइज स्?कूल, कन्?या उमावि की रेडक्रास संस्?था, राष्?ट्रीय सेवा योजना एवं नगरपालिका सहित विभिन्?न संस्?थाओं के सदस्?यों ने सहभागिता निभाई। कार्यक्रम का संचालन राजेश मंगल %पप्?पू% एवं विवेक खंडेलवाल ने किया।

इस अवसर पर समाजसेवी श्री संतोष चौपड़ा, भाजपा नेता श्री हेमंत हरित, श्री सुनील कटारिया, पत्रकार श्री सुरेन्?द्र सेठी, नपा सभापति श्री मनोहर मोटवानी, श्रीमती वंदना खंडेलवाल, श्री धर्मेश पुरोहित, श्री कुसुम-अशोक जोशी, श्री निरज अहीर, वार्ड क्र. 34 की पार्षद श्रीमती शारदा-दीपक पाटनी, वार्ड क्र. 35 के पार्षद श्री आलोक सोनी, पार्षद श्री रामचन्?द्र धनगर, श्री रूपेन्?द्र लोक?स, श्री योगेश कविश्?वर, श्री साबिर मसूदी, श्री शशि कल्?याणी, श्री ब्रजेश सक्?सेना के साथ ही रोटरी डायमंड के श्री कमल मंगल, श्री हेमंत भंडारी, श्री आशीष अग्रवाल %बामनबर्डी% संकल्?प पर्यावरण मित्र संस्?था के अजय भटनागर, श्री जगदीशचन्?द्र शर्मा, डॉ. राकेश वर्मा, श्री रमेश मोरे, श्री जुजरभाई बोहरा, एनएसएसजी ग्रुप के डॉ. दीपक सिंहल, समाजसेवी श्री मुकेश चौपड़ा (कालू), श्री अशोक जोशी, श्री दीपक पाटनी, श्री मनोहर माहेश्?वरी, श्री शोकिन पामेचा, श्री तुझार लालका, नपा कार्यालय अधीक्षक श्री कन्?हैयालाल शर्मा, राजस्?व अधिकारी श्री टेकचंद बुनकर, स्?वास्?थ्?य अधिकारी श्री घनश्?याम नागदा, बगीचा शाखा प्रभारी श्री महावीर जैन, जाजू कन्?या महाविद्यालय की छात्राएं व स्?टाफ सहित बड़ी संख्?या में पर्यावरणप्रेमी नागरिक उपस्थित थे।

Email: nmh.pawan@gmail.com
Contact: 9407423966, 8770664886

अक्षर पटेल पहले थे तेज गेंदबाज, फिर कोच ने बता दी कमी और बना दिया स्पिनर, खुद उठाया बड़े राज पर से पर्दा

अक्षर पटेल भारत के बेहतरीन ऑलराउंडर हैं। हाल ही में खत्म हुए टी20 वर्ल्ड कप में अक्षर ने टीम इंडिया को खिताब दिलाने में अहम रोल अदा किया था। उन्होंने अपनी फिरकी का गजब जादू दिखाया। लेकिन हैरानी वाली बात ये है कि अक्षर कभी स्पिनर नहीं बनना चाहते थे। अक्षर ने खुद इस बात का खुलासा किया है और बताया है कि वह कैसे स्पिनर बन गए।

नई दिल्ली। भारतीय टीम ने हाल ही में टी20 वर्ल्ड कप जीता और इस जीत में अहम रोल निभाया स्पिनर अक्षर पेटल ने। अक्षर की स्पिन कई बार टीम के काम आई। लेकिन अगर अक्षर के कोच एक बदलाव नहीं करते तो भारत को एक बेहतरीन स्पिनर शायद नहीं मिलता। अक्षर ने खुद इस बात का खुलासा किया है। उन्होंने बतया है कि वह पहले तेज गेंदबाज बनना चाहते थे लेकिन फिर कोच ने उन्हें स्पिनर बना दिया।

अक्षर ने कहा कि उनकी स्पिन गेंदबाजी में कोई दिलचस्पी नहीं थी, लेकिन वह फील्डिंग से बचने के लिए गेंदबाजी करते थे। उन्होंने कहा कि वह फील्डिंग से बोर हो जाते थे और इसलिए उन्होंने स्पिन गेंदबाजी चुनी।

मैं क्यों बन गया स्पिनर

अक्षर ने इंडियन एक्सप्रेस से बात करते हुए कहा कि वह कई बार सोचते हैं कि वह स्पिनर कैसे बन गए। उन्होंने कहा, कई बार मैं इस बात को समझ नहीं पाता हूं कि मैं स्पिनर कैसे बन गया। मैं तेज गेंदबाज था। अंडर-16 में मेरे कोच संजय पटेल ने कहा था की मेरे बायोमैकेनिक्स में कुछ दिक्कत है और उन्होंने मुझे स्पिन फेंकने की सलाह दी थी।

मुझे स्पिन में बिल्कुल भी दिलचस्पी नहीं थी। मैं बैटिंग करना ज्यादा पसंद करता था, लेकिन फील्डिंग करते हुए बोर हो जाता था।

इसलिए ओवर जल्दी फेंकने के लिए मैंने स्पिन शुरू की और विकेट लेने लगा।

इस खिलाड़ी को दिया श्रेय

अक्षर ने कहा कि एनसीए में भारत के पूर्व स्पिनर वेंकटपति राजू ने उनकी गेंदबाजी में काफी सुधार किया। उन्होंने कहा, मैं जब एनसीए गया तो राजू सर वहां थे और मुझे अपनी गेंदबाजी पर जितना भरोसा नहीं था उससे कहीं ज्यादा उन्हें था।

उन्होंने मेरी गेंदबाजी पर काम किया और मुझे स्पिन गेंदबाजी की बारीकियां सिखाईं।

सावन सोमवार के दिन शिवलिंग पर राशि अनुसार अर्पित करें ये चीजें, खुल जाएंगे किस्मत के बंद ताले

सावन के दौरान शिव मंदिरों में अधिक संख्या में भक्त शिव जी के दर्शन के लिए पहुँचते हैं। धार्मिक मान्यता के अनुसार सावन सोमवार के दिन राशि अनुसार शिवलिंग की पूजा करने से जातक के सभी प्रकार के दुखों का नाश होता है। साथ ही सुख-समृद्धि का आशीर्वाद प्राप्त होता है। ऐसे में आइए जानते हैं राशि अनुसार शिवलिंग पर क्या अर्पित करना चाहिए।

नई दिल्ली। Sawan Somwar 2024 Puja: पंचांग के अनुसार, सावन के महीने की शुरुआत 22 जुलाई यानी सोमवार से हो रही है। धार्मिक मत है।

इस महीने में सच्चे मन से भगवान शिव की पूजा करने से जातक की सभी मुरादें पूरी होती हैं। साथ ही महादेव की कृपा प्राप्त होती है।

राशि अनुसार चढ़ाएं ये चीजें

मेष राशि के जातक सावन सोमवार के दिन शिवलिंग पर बेलपत्र चढ़ाएं। लाल फूल अर्पित कर घी का दीपक जलाएं।

वृषभ राशि के लोग दूध मिश्रित जल से शिवलिंग का अभिषेक करें। साथ ही भगवान शिव को सफेद फूल और चंदन का लेप लगा सकते हैं।

सिंह राशि के लोग सावन सोमवार पर घी का दीपक जलाएं। साथ ही शिवलिंग पर गेंदे के फूल और अगरबत्ती भी अर्पित करें।

मिथुन राशि के जातकों को सावन सोमवार के दिन शिवलिंग पर दही मिश्रित जल चढ़ाना चाहिए।

कर्क राशि के लोग सावन सोमवार पर चंदन और इत्र अर्पित करें। साथ ही भगवान शिव को दूध और चावल भी अर्पित कर सकते हैं।

कन्या राशि के जातक सावन सोमवार पर काले तिल और जल मिलाकर शिवलिंग का अभिषेक करें।

तुला राशि के लोग सावन सोमवार पर जल में सफेद चंदन मिलाकर शिव जी को अर्पित करें। साथ ही सुगंधित फूल भी चढ़ाएं।

वृश्चिक राशि के जातक सावन सोमवार के दिन जल और बेलपत्र अर्पित करें। इसके साथ ही महामृत्युंजय मंत्र जप करें।

धनु राशि के लोग सावन सोमवार पर शिव जी को अबीर या गुलाल अर्पित करें। इसके साथ ही शिव जी के मंदिर जाकर शिवलिंग की पूजा करें।

मकर राशि वालों को शिव जी को भांग और धतूरा चढ़ाना चाहिए। इसके साथ ही आप ओम नमः शिवाय मंत्र का जाप कर सकते हैं।

कुंभ राशि के जातकों को भगवान शिव को नीले रंग के फूल अर्पित करने चाहिए। इसके साथ ही आप ओम नमः शिवाय मंत्र का जप करें।

मीन राशि के लोग गन्ने के रस और केसर से शिवलिंग का अभिषेक करें और ओम नमः शिवाय मंत्र का जप करें।

पेपरलेस फॉर्मेट में पेश किया जाएगा बजट; दो भाषाओं में होगा उपलब्ध, ऐप से भी कर सकेंगे डाउनलोड

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण अपना सातवां केंद्रीय बजट पेश करने के लिए तैयार हैं। संसद का मानसून सत्र 22 जुलाई से शुरू होगा। इस दिन वित्त मंत्री इकोनॉमिक सर्वे को संसद के पटल पर रखेंगी और अगले दिन मोदी 3.0 का पहला बजट पेश करेंगी। इसी के साथ सीतारमण के नाम लगातार सात बजट पेश करने का रिकॉर्ड दर्ज हो जाएगा। अब तक यह रिकॉर्ड मोरारजी देसाई के नाम है। देसाई 1959 से 1964 तक देश के वित्त मंत्री रहे। उन्होंने देश के लिए रिकॉर्ड छह बजट पेश किए। इनमें से पांच पूर्ण बजट थे और एक अंतरिम बजट था।

पूरी हो चुकी हैं बजट की सभी तैयारियां

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट पेश करने की सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। वित्त मंत्रालय ने अर्थव्यवस्था के विभिन्न हितधारकों के साथ कई दौर का विचार-विमर्श किया है। ये बैठकें 20 जून को शुरू हुई थीं। इस दौरान सीतारमण ने ट्रेड यूनियनों से बात की। शिक्षा एवं स्वास्थ्य क्षेत्र, पूंजी बाजार, रोजगार एवं कौशल के साथ एमएसएमई सेक्टर के साथ भी उनका विचार-विमर्श हुआ।

वित्त मंत्री ने सरकारी नीतियों को बेहतर करने के लिए अर्थशास्त्रियों से भी मुलाकात की। अर्थशास्त्रियों के समूह ने सुझाव दिया कि आगामी बजट में राजकोषीय घाटे को कम करने पर ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए। साथ ही, रोजगार पैदा करने की रफ्तार को भी तेज करने की जरूरत है। उन्होंने पूंजीगत व्यय को बढ़ाने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। किसान संघों ने वित्त मंत्री से कृषि क्षेत्र के लिए बजटीय आवंटन बढ़ाने का आग्रह किया।

पेपरलेस फॉर्मेट में पेश होगा केंद्रीय बजट

पिछले कुछ पूर्ण केंद्रीय बजटों की तरह Budget 2024 भी कागज रहित यानी पेपरलेस फॉर्मेट में पेश किया जाएगा। पेपरलेस बजट पेश करने की शुरुआत साल 2021 में हुई थी। उस वक्त कोरोना महामारी चरम पर थी। ऐसे में आशंका जताई जा रही थी कि कागजों के जरिए कोरोना संक्रमण फैल सकता है। इसलिए सरकार ने पेपरलेस बजट पेश करने का फैसला किया।

कोरोना काल के बाद भी सरकार ने पेपरलेस बजट की परंपरा को ही बरकरार रखा। वित्त वर्ष 2022 और वित्त वर्ष 2023 का बजट भी पेपरलेस था। वित्त मंत्री टैबलेट के जरिए बजट पेश करती हैं और उसी से बजट के सभी महत्वपूर्ण बिंदु संसद में रखती हैं।

हिंदी और अंग्रेजी में मिलेंगे बजट दस्तावेज

केंद्रीय बजट से जुड़े सभी दस्तावेज यूनियन बजट मोबाइल ऐप पर उपलब्ध होंगे।

इससे संसद सदस्यों और आम जनता को बजट दस्तावेज बिना किसी दिक्कत के मिल जाएगा। यह ऐप द्विभाषी (अंग्रेजी और हिंदी) है। इसे एंड्रॉयड और आईओएस दोनों प्लेटफॉर्म पर डाउनलोड किया जा सकता है। आप ऐप को यूनियन बजट वेब पोर्टल (222.indiabudget.gov.in) से भी डाउनलोड कर सकते हैं। इस ऐप को नेशनल इन्फॉमेटिक सेंटर (NIC) ने डेवलप किया है। वित्त मंत्रालय के तहत आने वाला डिपार्टमेंट ऑफ इकोनॉमिक अफेयर (DEA) इसकी देखरेख करता है। बजट पेश होने के कुछ ही देर बाद सभी दस्तावेज इस ऐप पर उपलब्ध हो जाते हैं।

6 विधेयक पेश करेगी मोदी सरकार

इस साल के मानसून सत्र में 12 अगस्त तक 19 बैठकें होंगी। मोदी सरकार छह विधेयक पेश करेगी, जिनमें विमान अधिनियम और जम्मू-कश्मीर के बजट के लिए संसद की मंजूरी प्रमुख हैं। 23 जुलाई को बजट की घोषणा के बाद सरकार वित्त विधेयक भी पेश करेगी। अन्य विधेयकों में आपदा प्रबंधन कानून, भारतीय वायुयान विधेयक 2024, बॉयलर विधेयक, कॉफी (संवर्धन और विकास) विधेयक और रबर (संवर्धन और विकास) विधेयक शामिल हैं। भारतीय वायुयान विधेयक 2024, विमान अधिनियम 1934 की जगह लेगा। यह नागरिक उड्डयन क्षेत्र में विनियमन को बेहतर करेगा, जिससे उद्योग जगत के सभी कंपनियों को कामकाज में सहूलियत होगी।

पहली छमाही में घरेलू कारोबारी भरोसा सूचकांक बढ़ा, 30 प्रतिशत कंपनियां नई नियुक्ति करने की तैयारी में

50 प्रतिशत कंपनियां अगले छह महीनों में प्रबंधकीय और कुशल श्रमिकों के वेतन में भी बढ़ोतरी करने जा रही है। एनसीएईआर की रिपोर्ट के मुताबिक अगले छह महीनों में कंपनियों की वित्तीय स्थिति मजबूत होने की उम्मीद मौजूदा निवेश का माहौल और वर्तमान में उत्पादन के लिए स्थापित क्षमता के अधिकतम उपयोग से कारोबारी भरोसा सूचकांक में बढ़ोतरी हो रही है।

नई दिल्ली। पिछले छह महीनों में कारोबारी माहौल के सूचकांक में मजबूती आई है और इसे देखते हुए अधिकतर कंपनियां अगले छह महीनों में कुशल व गैर कुशल सभी प्रकार के नए श्रमिकों की नियुक्ति करने की तैयारी करती दिख रही हैं। नेशनल काउंसिल ऑफ अप्लायड इकोनामिक रिसर्च (एनसीएईआर) की तरफ से कारोबारी भरोसा सूचकांक पर जारी रिपोर्ट में यह खुलासा किया गया है।

रिपोर्ट के मुताबिक इस साल जनवरी-मार्च की तिमाही में कारोबारी भरोसा सूचकांक 138.2 था जो इस साल अप्रैल-जून में बढ़कर 149.8 हो गया। पिछले साल जनवरी-मार्च में यह सूचकांक 128 था। इस भरोसे को देखते हुए इस साल अप्रैल-जून तिमाही में 32.3 प्रतिशत कंपनियों ने बताया कि वे कुशल व अकुशल दोनों प्रकार के श्रमिकों की नई नियुक्ति करने जा रही है। इस साल जनवरी-मार्च तिमाही में 30 प्रतिशत कंपनियां नई नियुक्ति करने की तैयारी कर रही थी। अप्रैल-जून तिमाही में 37.4 प्रतिशत कंपनियों ने बताया कि वे अस्थायी श्रमिकों की नियक्ति अगले छह महीनों में बढ़ाने जा रही है। 50 प्रतिशत कंपनियां अगले छह महीनों में प्रबंधकीय और कुशल श्रमिकों के वेतन में भी बढ़ोतरी करने जा रही है। एनसीएईआर की रिपोर्ट के मुताबिक अगले छह महीनों में कंपनियों की वित्तीय स्थिति मजबूत होने की उम्मीद, मौजूदा निवेश का माहौल और वर्तमान में उत्पादन के लिए स्थापित क्षमता के अधिकतम उपयोग से कारोबारी भरोसा सूचकांक में बढ़ोतरी हो रही है।

इस साल अप्रैल-जून तिमाही में 71.2 प्रतिशत कंपनियों ने माना कि देश की कुल आर्थिक स्थिति अगले छह महीनों में और बेहतर होगी जबकि इस साल जनवरी-मार्च तिमाही में 65.8 प्रतिशत कंपनियों ने इस प्रकार का विश्वास जाहिर किया था। वहीं, अप्रैल-जून तिमाही में 67.4 प्रतिशत कंपनियों ने अपनी आर्थिक स्थिति अगले छह महीनों में और मजबूत होने का भरोसा जाहिर किया जबकि जनवरी-मार्च तिमाही में 60.7 प्रतिशत कंपनियों ने इस प्रकार का भरोसा जाहिर किया था। अप्रैल-जून तिमाही में 97.8 प्रतिशत कंपनियां अपनी उत्पादन क्षमता का अधिकतम इस्तेमाल कर रही थी।

2050 तक भारत में दोगुनी हो जाएगी बुजुर्गों की आबादी, क्या ये चिंता की बात है

2050 तक भारत की बुजुर्ग आबादी दोगुनी हो सकती है। ऐसे में बुजुर्गों के लिए खास नीतियां बनाने की जरूरत है ताकि उन्हें स्वास्थ्य सेवा आवास और पेंशन मिल सके। इसकी जरूरत खासकर बुजुर्ग महिलाओं को रहेगी जो बुढ़ापे में अकेली पड़ सकती हैं। उनके लिए गरीबी बड़ी समस्या रहेगी। उन्हें ध्यान में रखकर अभी से नीतियां बनाने की जरूरत है।

नई दिल्ली। केंद्र सरकार भारत को साल 2047 तक विकसित बनाने का लक्ष्य लेकर चल रही है। इस दिशा में नीतिगत काम जोरशोर से हो रहे हैं। लेकिन, सरकार के लक्ष्य के मुताबिक जब तक भारत विकसित बनेगा, उस समय कुछ चुनौतियां भी खड़ी मिलेंगी। इनमें से एक है, बुजुर्गों की आबादी।

संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष की भारत इकाई 'यूएनएफपीए- इंडिया' की प्रमुख एंड्रिया वोजनार का कहना है कि 2050 तक भारत की बुजुर्ग आबादी दोगुनी हो सकती है। ऐसे में बुजुर्गों के लिए खास नीतियां बनाने की जरूरत है, ताकि उन्हें स्वास्थ्य सेवा, आवास और पेंशन मिल सके। इसकी जरूरत खासकर बुजुर्ग महिलाओं को रहेगी, जो बुढ़ापे में अकेली पड़ सकती हैं। उनके लिए गरीबी बड़ी समस्या रहेगी। 'यूएनएफपीए-इंडिया' की 'रेजिडेंट' प्रतिनिधि वोजनार ने विश्व जनसंख्या दिवस (11 जुलाई) के कुछ दिनों बाद समाचार एजेंसी पीटीआई से बातचीत में जनसंख्या के उन प्रमुख रुझानों को रेखांकित किया, जिन्हें भारत सतत विकास में तेजी लाने के लिए प्राथमिकता दे रहा है। इनमें युवा आबादी, वृद्ध जनसंख्या, शहरीकरण, प्रवासन और जलवायु के हिसाब से फेरबदल करना शामिल है। ये देश के सामने अनूठी चुनौतियां हैं, लेकिन इन्हें अवसर में भी बदला जा सकता है।

भारत में कितनी है बुजुर्ग आबादी

भारत में साल 2050 तक बुजुर्गों की आबादी दोगुनी होकर 34 करोड़ 60 लाख हो जाने का अनुमान है। अगर इनकी जरूरत के हिसाब से इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने के लिए अभी से निवेश नहीं किया गया, तो आगे चलकर काफी मुश्किलें हो सकती हैं। खासकर, स्वास्थ्य सेवा, आवास और पेंशन योजनाओं में निवेश बढ़ाने की सख्त दरकार है।

यह चुनौती असल में अवसर भी पैदा कर सकती है। फिलहाल भारत में 10 से 19 वर्ष की आयु के लोगों की तादाद 25 करोड़ से अधिक है। अगर स्वास्थ्य, शिक्षा, नौकरी के लिए प्रशिक्षण और रोजगार सृजन में निवेश करे, तो इस जनसांख्यिकीय क्षमता को भुनाया जा सकता है। इससे देश को निरंतर तरक्की की राह पर आगे बढ़ने में भी मदद मिलेगी।

भारत में 2050 तक शहरी आबादी 50 प्रतिशत तक पहुंच सकती है। ऐसे में वायु प्रदूषण समेत दूसरी पर्यावरणीय समस्याएं भी गंभीर हो सकती हैं। इनसे निपटने के लिए भी स्मार्ट शहरों, मजबूत बुनियादी ढांचे और किफायती आवास का निर्माण महत्वपूर्ण है।

चीन में गंभीर है बुजुर्गों की समस्या

चीन में बुजुर्गों की बड़ी आबादी पहले ही गंभीर समस्या बन चुकी है। चीन की कम्युनिस्ट सरकार ने 1980 में आबादी कम करने के लिए सख्त जनसंख्या नियंत्रण कानून लगा किया था। इसके मुताबिक, चीन के अधिकांश परिवार एक ही बच्चा पैदा कर सकते हैं। इससे चीन की जनंसख्या तो नियंत्रित हो गई, लेकिन बुजुर्गों के अनुपात में उनकी जगह लेने के लिए युवा आबादी नहीं तैयार हो पाई।

पिछले साल चीन में एक विधवा महिला का वीडियो भी वायरल हुआ था। इसमें दिखाया गया था कि वह महिला 100 युआन यानी करीब 1,200 रुपये में गुजर-बसर के लिए किराना स्टोर से क्या-क्या सामान खरीद सकती हैं। यह उनकी मासिक पेंशन थी और आमदनी का इकलौता जरिया। चीन सरकार ने बदनामी से बचने और गरीबी छिपाने के लिए वह वीडियो से इंटरनेट से हटवा दिया।

78 साल की उस बुजुर्ग विधवा महिला ने बताया कि उसे पेंशन में करीब 12 सौ रुपये मिलते हैं। इनसे वह चावल खरीदना चाहती है, क्योंकि इतने कम पैसों में बस यही इकलौती चीज आ सकती है। महिला का कहना था कि उसने लंबे वक्त से गोश्त या कोई और अच्छा खाना नहीं खाया। बस किसी तरह अपना पेट पाल रही है।

ईपीएफ अधिकारियों ने आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर पर जताई चिंता, अपग्रेड और सुधार की जरूरत

ईपीएफ अधिकारी संघ के अधिकारियों ने केंद्रीय श्रम मंत्री को पत्र लिखा है। इसमें ईपीएफ आईटी सिस्टम - सॉफ्टवेयर हार्डवेयर आईटी मैनपावर - को अपग्रेड करने के लिए तुरंत कदम उठाने की गुजारिश की गई है। स्थिति अब गंभीर हो गई है क्योंकि अधिकारी और कार्यालय रोजाना महत्वपूर्ण सिस्टम कमियों की रिपोर्ट कर रहे हैं। आइये इसके बारे में विस्तार से जानते हैं।

नई दिल्ली। कर्मचारी भविष्य निधि(EPFO) अधिकारी संघ ने सेवानिवृत्ति निधि निकाय के सूचना प्रौद्योगिकी बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए केंद्रीय श्रम मंत्री से हस्तक्षेप करने की मांग की है।

इस सप्ताह की शुरुआत में मंत्री को लिखे पत्र में, ईपीएफ अधिकारी संघ (EPFOA) ने कहा कि वह ईपीएफ आईटी सिस्टम - सॉफ्टवेयर, हार्डवेयर, आईटी मैनपावर - को अपग्रेड करने के लिए तत्काल हस्तक्षेप के लिए नियमित रूप से अनुरोध प्रस्तुत कर रहा है, जिससे ईपीएफ मैनपावर पर भारी दबाव पड़ रहा है और श्वक्क्रह सेवाओं पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है।

गंभीर हो गई है स्थिति

एसोसिएशन ने कहा कि स्थिति अब गंभीर हो गई है, क्योंकि अधिकारी और कार्यालय रोजाना महत्वपूर्ण सिस्टम कमियों की रिपोर्ट कर रहे हैं। इसमें कहा गया है कि श्वक्क्रह आईटी सिस्टम की अपर्याप्तता और इसके परिणामस्वरूप सेवा संबंधी बाधाएं ईपीएफ सेवाओं पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रही हैं।

EPFO एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर इसकी सेवा वितरण बुनियादी ढांचे के आधारभूत घटक के रूप में कार्य करता है।संगठन ने कहा कि यह प्राथमिक मंच है जिसके माध्यम से हमारे क्षेत्रीय कार्यालय सदस्य दावों की प्रक्रिया और निर्णय लेते हैं।

हाल के दिनों में, सॉफ्टवेयर ने महत्वपूर्ण अस्थिरता प्रदर्शित की है, जिसमें बार-बार व्यवधान आना शामिल है। पिछले कई हफ्तों में, एप्लीकेशन का प्रदर्शन खराब हो गया है, जो बार-बार सिस्टम धीमा होने, अनैच्छिक उपयोगकर्ता लॉगआउट और पूर्ण सिस्टम विफलताओं के रूप में प्रकट होता है।

इससे पहले, EPFO प्रबंधन ने सॉफ्टवेयर प्रदर्शन समस्याओं को समवर्ती उपयोगकर्ता लॉगिन के लिए जिम्मेदार ठहराया था।

हालांकि, इसने कहा कि स्थिति एक महत्वपूर्ण मोड़ पर पहुंच गई है जहां भारी उपयोगकर्ता यातायात की अनुपस्थिति में भी सिस्टम क्रैश और धीमा हो जाता है। यह देखा गया है कि फील्ड ऑफिस ने ऑफ-पीक घंटों के दौरान भी सिस्टम विफलताओं की सूचना दी है।

EPFO एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर में सुधार की जरूरत

इसने कहा कि EPFO एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर के व्यापक ओवरहाल की आवश्यकता पिछले कुछ समय से स्पष्ट है। इस महत्वपूर्ण आवश्यकता के बावजूद, इस तरह के ओवरहाल के कार्यान्वयन को अस्पष्ट कारणों से बार-बार स्थगित कर दिया गया है।

EPFO एक वित्तीय रूप से मजबूत संगठन है, जो सरकारी प्रशासनिक निधि से स्वतंत्र है, लेकिन एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर के 2.0 संस्करण को लॉन्च करने में देरी आयकर विभाग जैसे अन्य विभागों द्वारा हासिल की गई तीव्र तकनीकी प्रगति के विपरीत है। EPFOA ने बताया कि यह विसंगति स्थिति की गंभीरता को स्वीकार करने में प्रणालीगत विफलता को दर्शाती है। किसी भी तकनीकी चुनौती का जोरदार तरीके से खंडन किया गया है और कथित प्रगति पर जोर दिया गया है। यह अनुमान लगाना उचित है कि दावा निपटान प्रक्रिया पूरी तरह कार्यात्मक सॉफ्टवेयर प्रणाली के साथ तेजी से बढ़ेगी।

निराश है कर्मचारी और अधिकारी

EPFOA ने पत्र में कहा कि हम सम्मानपूर्वक आपसे तत्काल ध्यान देने का आग्रह करते हैं, जो एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर की लगातार कमियों और ऊपरी प्रबंधन की कथित गैर-जिम्मेदारी के कारण EPFO अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा अनुभव की जा रही बढ़ती निराशा पर है।

इसने सुझाव दिया कि मुद्दों के मूल कारणों का निदान करने और दुनिया के सबसे बड़े सामाजिक सुरक्षा संगठन के रूप में श्वक्क्रह की स्थिति के अनुरूप एक समकालीन सॉफ्टवेयर समाधान विकसित करने के लिए अग्रणी उद्योग विशेषज्ञों द्वारा सॉफ्टवेयर का व्यापक मूल्यांकन अनिवार्य है।

संस्था ने कहा कि पिछले तीस महीनों में, हमने लगातार सीपीएफसी के ध्यान में श्वक्क्रह के आईटी बुनियादी ढांचे को प्रभावित करने वाले महत्वपूर्ण मुद्दों को लाया है।

सभी शहरों के लिए पेट्रोल-डीजल के रेट्स हुए अपडेट, चेक करें फ्यूल की ताजा कीमतें

सरकारी तेल कंपनियों ने रविवार 21 जुलाई 2024 के लिए पेट्रोल और डीजल की कीमतें अपडेट कर दी हैं। लेटेस्ट अपडेट के मुताबिक आज भी पेट्रोल और डीजल पुरानी यानी कल वाली कीमत पर ही खरीदा जा सकेगा। फ्यूल की कीमतें आज भी स्थिर बनी हुई हैं। दिल्ली में एक लीटर पेट्रोल की कीमत 94.72 रुपये और डीजल की कीमत 87.62 रुपये प्रति लीटर बनी हुई है।

नई दिल्ली। रविवार, 21 जुलाई के लिए सरकारी तेल कंपनियों ने पेट्रोल और डीजल के रेट्स रिवाइज कर दिए हैं। लेटेस्ट अपडेट के मुताबिक, आज भी पेट्रोल और डीजल की कीमतें स्थिर बनी हुई हैं। यानी देश भर के अलग-अलग राज्यों और शहरों में पेट्रोल और डीजल पुरानी कीमतों पर ही खरीदा जा सकेगा।

बता दें, ट्रांसपेरेंसी बनी रहे इसके लिए पेट्रोल और डीजल की कीमतें जून 2017 से सुबह 6 बजे रोजाना रिवाइज की जाती हैं। हर शहर में पेट्रोल और डीजल की कीमतें अलग-अलग होती हैं, ऐसा राज्य सरकार द्वारा लगाए जाने वाले वैट की वजह से होता है। यही वजह है कि गाड़ी चालकों को घर से बाहर निकलने से पहले पेट्रोल और डीजल के लेटेस्ट रेट्स चेक कर लेने की सलाह दी जाती है। कीमतों में होने वाले किसी भी बदलाव को सरकारी तेल कंपनियों की ऑफिशियल वेबसाइट पर सुबह 6 बजे के बाद चेक किया जा सकता है। इंडियन ऑयल की ऑफिशियल वेबसाइट के मुताबिक, अलग-अलग शहरों में पेट्रोल-डीजल के दाम (Petrol-Diesel Price 21 July 2024)

चार महानगरों में पेट्रोल- डीजल के दाम

दिल्ली में एक लीटर पेट्रोल की कीमत 94.72 रुपये और डीजल की कीमत 87.62 रुपये प्रति लीटर है।

मुंबई में पेट्रोल की कीमत 103.44 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 89.97 रुपये प्रति लीटर है।

कोलकाता में पेट्रोल की कीमत 104.95 रुपये प्रति लीटर और डीजल 91.76 रुपये प्रति लीटर है।

चेन्नई में पेट्रोल की कीमत 100.75 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 92.34 रुपये प्रति लीटर है।

देश के दूसरे शहरों में पेट्रोल-डीजल के दाम

नोएडा- पेट्रोल 94.83 रुपये प्रति लीटर और डीजल 87.96 रुपये प्रति लीटर

गुरुग्राम- पेट्रोल 95.19 रुपये प्रति लीटर और डीजल 88.05 रुपये प्रति लीटर

बेंगलुरु- पेट्रोल 102.86 रुपये प्रति लीटर और डीजल 88.94 रुपये प्रति लीटर

चंडीगढ़- पेट्रोल 94.24 रुपये प्रति लीटर और डीजल 82.40 रुपये प्रति लीटर

हैदराबाद-पेट्रोल 107.41 रुपये प्रति लीटर और डीजल 95.65 रुपये प्रति लीटर

जयपुर-पेट्रोल 104.88 रुपये प्रति लीटर और डीजल 90.36 रुपये प्रति लीटर

पटना-पेट्रोल 105.18 रुपये प्रति लीटर और डीजल 92.04 रुपये प्रति लीटर

महाभारत और पुराणों के रचयिता थे महर्षि वेदव्यास

गुरु पूर्णिमा के अवसर पर लोग जगत के पालनहार भगवान विष्णु और अपने गुरुओं की विशेष पूजा-अर्चना करते हैं। इससे साधक के जीवन में खुशियों का आगमन होता है। मान्यता है कि गुरु पूर्णिमा की कथा का पाठ न करने से पूजा अधूरी रहती है।

नई दिल्ली। Guru Purnima 2024 Vrat Katha: आज यानी 21 जुलाई 2024 को बेहद उत्साह के साथ गुरु पूर्णिमा का पर्व मनाया जा रहा है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, आषाढ़ माह की पूर्णिमा तिथि पर महाकाव्य रचियता ऋषि वेदव्यास का जन्म हुआ था। इसी वजह से इस दिन को गुरु पूर्णिमा के रूप में मनाया जाता है।

गुरु पूर्णिमा व्रत कथा पौराणिक कथा के अनुसार, प्राचीन समय में एक बार भ्रमण के लिए महर्षि पराशर निकले थे। इस दौरान उनकी नजर एक महिला पर पड़ी, जिसका नाम सत्यवती था। वह एक मछुआरे की बेटी थी, वह अधिक खूबसूरत थी। उसके शरीर में से मछली की गंध आती रहती थी, क्योंकि उसका जन्म मछुआरे के घर हुआ था। इसलिए उन्हें मत्स्यगंधा भी कहा जाता था। ऋषि उसे देखकर व्याकुल हो गए, लेकिन पराशर ऋषि ने सत्यवती से संतान प्रदान करने की इच्छा जाहिर की।

ऋषि की ये बात सुनकर सत्यवती ने अधिक आश्चर्यचकित होकर कहा कि मैं इस तरह से अनैतिक संबंध कैसे बना सकती हूं। इस तरह से संतान का जन्म लेना व्यर्थ है। ऐसे में ऋषि ने कहा कि जो संतान तुम्हारी कोख से जन्म लेगी। वह पूरे संसार के लिए महान काम करेगी। ऋषि की बात को सत्यवती ने मान लिया, लेकिन उसनें पहले ऋषि के सामने अपनी तीन शर्त रखी। पहली शर्त यह कि संभोग क्रीडा करते समय कोई न देखें। दूसरी शर्त में कहा कि होने वाला बच्चा महान ज्ञानी होने के साथ मेरी कौमार्यता को जीवन में कभी भंग न करे। वहीं, तीसरी शर्त थी कि शरीर से आने वाली गंध फूलों की खुशबू में बदल जाएं। इसके बाद सत्यवती की कोख से एक बेटे का जन्म हुआ, जिसका नाम द्वैपायन रखा था जो आगे चलकर वेदव्यास कहलाएं। धार्मिक मान्यता के अनुसार, महर्षि वेदव्यास का जन्म आषाढ़ माह की पूर्णिमा को हुआ। उन्हें महाभारत, अठारह पुराणों, ब्रह्मसूत्र, मीमांसा जैसे अद्वितीय वैदिक साहित्य दर्शन के रचयिता माना जाता है।

मानसून में स्किन केयर इग्नोर करने से बढ़ सकती है कई सारी समस्याएं, इन आसान स्टेप्स से त्वचा को रखें हेल्दी

स्किन केयर की जरूरत सिर्फ गर्मी या सर्दी के मौसम में ही नहीं होती बल्कि मानसून में भी त्वचा की देखभाल उतनी ही जरूरी है वरना ड्राईनेस मुंहासों के साथ झाइयों जैसी की समस्याएं परेशान कर सकती हैं। इस मौसम में भी नियमित रूप से फेसवॉश मॉयश्चराइजर और सीरम का इस्तेमाल करें। साथ ही पर्याप्त मात्रा में पानी पीने और बैलेंस डाइट लेने पर ध्यान दें।

नई दिल्ली। मानसून के दौरान ह्यूमिडिटी बढ़ने से स्किन में ऑयल का प्रोडक्शन भी बढ़ जाता है, जिससे पोर्स बंद हो जाते हैं और इनकी वजह से मुंहासे निकलने लगते हैं। बाहर नमी और अंदर AC की ठंडी हवा ऐसा तापमान में डीहाइड्रेशन और ड्राईनेस की बन सकता है। इसके अलावा नम वातावरण फंगल इन्फेक्शन को भी बढ़ावा देता है। मुंहासों के अलावा कई बार ऐसे मौसम में हाइपरपिग्मेंटेशन और असमान स्किन टोन जैसी समस्याएं भी बढ़ सकती हैं। अगर आप नहीं होना चाहते इन सारी समस्याओं के शिकार, तो जान लें मानसून में स्किन केयर से जुड़ी कुछ जरूरी बातें।

सही मॉइस्चराइजर चुनें

मानसून के लिए सही मॉइस्चराइजर चुनना जरूरी है। लाइट और ऑयल फ्री मॉइस्चराइजर का इस्तेमाल करें, जो आपके पोर्स को बंद किए बिना स्किन को हाइड्रेट रखता है। जेल-बेस्ड मॉइस्चराइजर इस मौसम के लिए बेस्ट होते हैं। हयालूरोनिक एसिड, कोजिक एसिड, आर्बुटिन और पेप्टाइड युक्त प्रोडक्ट्स खरीदें। जो नमी बनाए रखने के साथ त्वचा को कोमल और हाइड्रेट रखते हैं।

सॉफ्ट क्लेंजिंग करें

नियमित रूप से सफाई स्किन केयर का सबसे जरूरी हिस्सा होती है, तो मानसून के दौरान भी इस बिल्कुल स्किप न करें जेंटल, हाइड्रेटिंग क्लेंजर का इस्तेमाल करें, जो आपकी त्वचा से नेचुरल ऑयल्स को हटाए बिना गंदगी और अशुद्धियों को हटा सके। ये भी जान लें कि ज्यादा सफाई करने से रूखापन और जलन जैसी समस्याएं हो सकती है, इसलिए दिन में दो बार से ज्यादा अपना चेहरा न धोएं।

नियमित रूप से एक्सफोलिएट करें

एक्सफोलिएशन डेड स्किन को हटाने में मदद करता है और सेल रिन्यूवल को बढ़ावा देता है, जिससे आपकी त्वचा चिकनी और हाइड्रेटेड रहती है। हालांकि, हद से ज्यादा एक्सफोलिएट करने से स्किन बैरियर को नुकसान पहुंच सकता है और रूखापन बढ़ सकता है।

अपनी त्वचा को तरोताजा और हाइड्रेट रखने के लिए हफ्ते में एक या दो बार स्क्रब का इस्तेमाल करें। अपनी स्किन टेक्सचर को बेहतर बनाने के लिए जोजोबा बीड्स या अल्फा हाइड्रॉक्सी एसिड (AHAs) जैसे केमिकल एक्सफोलिएंट जैसे तत्वों वाले प्रोडक्ट्स चुनें।

हाइड्रेटिंग सीरम इस्तेमाल करें

नियासिनमाइड, सेरामाइड, ग्लिसरीन और विटामिन श्व जैसे हाइड्रेटिंग तत्वों वाले सीरम त्वचा को अतिरिक्त नमी प्रदान करते हैं। हाइड्रेशन को लॉक करने और अपनी त्वचा को कोमल बनाए रखने के लिए क्लेंजिंग के बाद पहले सीरम और फिर मॉइस्चराइजर लगाएं।

अपनी त्वचा की सुरक्षा करें

ऐसा नहीं है कि सिर्फ कड़ी धूप ही त्वचा के लिए नुकसानदायक है, मानसून में बादल छाए रहने के बावजूद भी यूवी किरणें आपकी त्वचा को नुकसान पहुंचा सकती हैं। अपनी त्वचा को सूरज की किरणों से होने वाले नुकसान से बचाने के लिए कम से कम स्क्न 30 वाले सनस्क्रीन का इस्तेमाल करें। ऐसे सनस्क्रीन लगाएं जो वॉटर रजिस्टेंस और नॉन-कॉमेडोजेनिक हों, जिससे पोर्स बंद न हों और मुंहासे न हों।

गर्म पानी और हार्श प्रोडक्ट का न करें इस्तेमाल

बारिश के मौसम में गर्म पानी से नहाना अच्छा लग सकता है, लेकिन इससे भी त्वचा का नेचुरल ऑयल निकल सकता है, जिससे स्किन ड्राई हो सकती है।

इसके बजाय नॉर्मल या गुनगुने पानी से नहाएं। अल्कोहल, तेज खुशबू या एस्ट्रिंजेंट वाले स्किनकेयर प्रोडक्ट्स त्वचा को नुकसान पहुंचा सकते हैं और प्राकृतिक नमी को खत्म कर सकते हैं।

संतुलित डाइट का सेवन करें

विटामिन, मिनरल्स और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर डाइट लेने से त्वचा की नमी बनी रहती है। इसके लिए मछली, अलसी और अखरोट जैसे ओमेगा-3 फैटी एसिड से भरपूर खाद्य पदार्थों को अपनी डाइट में शामिल करें।

ताजे फल व सब्जियां खासतौर से खीरे, टमाटर और तरबूज जैसी पानी से भरपूर सब्जियां स्किन की हाइड्रेट रखती हैं। इसके अलावा शरीर की गंदगी को दूर करने और स्किन की इलास्टिसिटी को बनाए रखने के लिए दिनभर में कम से कम 8-10 गिलास पानी पीने का टारगेट रखें।

विटामिन-डी की कमी को झट से पूरा करेंगे ये हेल्दी और रिफ्रेशिंग ड्रिंक्स

विटामिन-डी हमारे शरीर के लिए एक जरूरी विटामिन है जिसकी कमी की वजह से ओस्टियोपोरोसिस और डिप्रेशन जैसी खतरनाक समस्याएं हो सकती हैं। इसलिए इस मानसून खुद को विटामिन-डी की कमी से बचाने के लिए कुछ स्पेशल ड्रिंक्स पी सकते हैं जो न केवल विटामिन-डी की कमी दूर करेंगे बल्कि आपको अंदर से हाइड्रेटेड भी रखेंगे।

नई दिल्ली। विटामिन-डी हमारी सेहत के लिए कितना जरूरी है, इस बारे में आप जानते होंगे। यह सिर्फ हड्डियों और मांसपेशियों की मजबूती के लिए ही नहीं, बल्कि डिप्रेशन जैसी समस्याओं से भी बचने में मदद करता है। हालांकि, धूप में कम समय बिताने और खान-पान में विटामिन-डी को शामिल न करने की वजह से विटामिन-डी की कमी हो सकती है, जो आपकी सेहत के लिए काफी नुकसानदेह है।

विटामिन-डी की कमी से व्यक्ति को कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है, जैसे- इसकी कमी से हड्डियां कमजोर होने लगती है, थकान, तनाव बढ़ने लगता है आदि। हालांकि, यह तो हम सभी जानते हैं विटामिन-डी की पूर्ति के ले धूप जरूरी माना जाती है, लेकिन इसके अलावा आप कुछ ड्रिंक्स का सेवन करके भी विटामिन-डी की कमी को पूरा कर सकते हैं। इन ड्रिंक्स को पीने से आपके शरीर की विटामिन-डी की कमी भी पूरी हो जाएगी। आइए जानें क्या हैं वे ड्रिंक्स।

नारियल पानी के साथ चिया सीड्स

मानसून में आपको हाइड्रेटेड रखने के साथ-साथ यह ड्रिंक आपके शरीर के विटामिन-डी की कमी को भी पूरा करती है। इसे बनाने के लिए चिया सीड्स को नारियल पानी के साथ ब्लेंड कर लें और इस हाइड्रेटिंग और हेल्दी ड्रिंक का मजा लें।

हल्दी युक्त ऑरेंज जूस

ऑरेंज जूस में विटामिन-सी के साथ-साथ विटामिन-डी भी पाया जाता हैं, जिससे आपकी स्किन भी अच्छी रहती है और विटामिन डी की पूर्ति भी होती है। इसके बनाने के लिए आप ऑरेंज में एक पिंच हल्दी पाउडर डालकर ब्लेंड कर लें। मानसून में ये आपको स्किन ग्लोइंग बनाएगी। साथ ही, विटामिन-डी की पूर्ति भी करेगी।

आम और पपीते का जूस

आम औप पपीते का जूस विटामिन्स से भरपूर एक हेल्दी ड्रिंक है। इसके सेवन से आप आसानी से विटामिन-डी की पूर्ति कर सकते हैं।

अनानस-केल स्मूदी

अनानस यानी पाइनएप्पल और केल स्मूदी आपके शरीर में विटामिन-डी की कमी पूरी करेगी। साथ ही, इस स्मूदी के सेवन से इम्युनिटी भी मजबूत होती है। यह स्किन के लिए भी बहुत फायदेमंद मानी जाती है। इसे बनाने के लिए पाइनएप्पल के पीस के साथ केल और योगर्ट को बेलेंड करें और इस ड्रिंक का मजा लें।

फिल्मों से गायब रिया चक्रवर्ती ने बताया कैसे होता है उनका गुजारा, बोलीं- मैं इस तरह अपना पैसा कमाती हूं

अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद अपने निजी जीवन में उथल-पुथल का सामना करने के बाद रिया चक्रवर्ती ने खुलासा किया कि वह प्रेरक बातें करना अधिक पसंद करती हैं। रिया ने बॉलीवुड में साल 2013 में फिल्म 'मेरे डैड की मारुति' से डेब्यू किया था । हालांकि फिल्म कुछ खास कमाल नहीं कर पाई थी ।

नई दिल्ली। रिया चक्रवर्ती अपने प्रोफेशनल लाइफ से ज्यादा पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में रही हैं। साल 2020 में उन्हें काफी कुछ झेलना पड़ा था। एक्ट्रेस का नाम दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत के मामले में आया था। उन दिनों वह उन्हें डेट कर रही थीं।

अभिनेता के परिवार वालों ने उन पर आरोप लगाया था और उन्हें जेल तक भी पहुंचाया था, लेकिन कुछ महीने बाद उन्हें जमानत मिल गई और उसके बाद से वो लाइफ में आगे बढ़ने की पूरी कोशिश कर रही हैं। वहीं अब एक्ट्रेस ने अपना पहला पॉडकास्ट लॉन्च किया है, जो शनिवार को जारी हुआ है, जिसमें अभिनेत्री ने सुष्मिता सेन गेस्ट के रूप में नजर आईं।

मैं अब फिल्मों काम नहीं कर रही

इस पॉडकास्ट में रिया ने सुष्मिता सेन से बातचीत के साथ-साथ अपनी लाइफ को लेकर भी कुछ खुलासे किए, जिनमें से एक यह भी था कि वह अब किसी फिल्म में काम नहीं कर रही हैं तो क्या करती हैं। इस पर उन्होंने कहा- ठीक है, अब लोग इस बात को लेकर असमंजस में हैं कि मैं इनकम के लिए क्या करती हूं। मैं फिल्मों में अभिनय नहीं कर रही हूं, मैं अन्य चीजें करती हूं, मैं मोटिवेशनल स्पीकिंग देती हूं और इसी तरह मैं अपना पैसा कमाती हूं।

उन्होंने बताया कि उनके पॉडकास्ट का नाम उनके जीवन से प्रेरित है। उन्होंने आगे कहा, हर कोई मेरे अध्याय एक को जानता है, या मानता है कि वे इसे जानते हैं। मैं अलग-अलग भावनाओं को महसूस करने, खुद के अलग-अलग संस्करण होने के कई चरणों से गुजरी। अंततः, मैं अपने को अधिक, बल्कि एक नए संस्करण, पुनर्जन्म की तरह महसूस कर रही हूं।

जब लोगों ने कहा काला जादू करती है

एक्ट्रेस कहा कि मैं अक्सर कहती हूं कि मेरे पास एक बड़ी महाशक्ति है। ऐसे में अब कुछ लोग सोचेंगे कि ये चुड़ैल है। तो वहीं कुछ को लगेगा की काला जादू करती है। दूसरे लोग सोचेंगे कि वह एक मजबूत लड़की है जिसने इसका मुकाबला किया, उसमें साहस था। वे महान हैं, जो मुझसे नफरत करते हैं, वे भी ठीक हैं, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता।

रिया ने बताया कि समय के साथ उन्हें एहसास हुआ कि इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि कौन आपसे नफरत करता है या कौन आपसे प्यार करता है।

कम उम्र में पड़ने वाली झुर्रियां हैं कोलेजन की कमी का संकेत, डाइट में आज से ही शामिल करें ये जरूरी पोषक तत्व

उम्र बढ़ने के साथ त्वचा पर फाइन लाइन्स या रिंकल्स आना आम बात है लेकिन जब यह परेशानी कम उम्र में ही नजर आने लगे तो हर किसी के लिए चिंता की बात हो जाती है। बता दें यह त्वचा में कोलेजन की कमी का संकेत हो सकता है। आइए जानते हैं किन पोषक तत्वों की मदद से दूर हो सकती है यह समस्या।

नई दिल्ली। Ways To Boost Collagen: त्वचा को हेल्दी और ग्लोइंग बनाने में कोलेजन की बड़ी भूमिका होती है। शरीर में इसकी मात्रा बढ़ाने में अच्छी डाइट बेहद जरूरी होती है।

अनहेल्दी खानपान और खराब लाइफस्टाइल के कारण कई लोगों की स्किन में कोलेजन की मात्रा कम होती है। ऐसे में, आइए इस आर्टिकल में आपको बताते हैं कुछ ऐसे जरूरी पोषक तत्वों के बारे में जिनकी मदद से स्किन में कोलेजन का प्रोडक्शन बेहतर किया जा सकता है।

कॉपर

कोलेजन के प्रोडक्शन को बढ़ाने में कॉपर की अहम भूमिका होती है। यह उन एंजाइम को एक्टिव करने की क्षमता रखता है, जो कोलेजन का उत्पादन बढ़ाने के लिए जरूरी होते हैं। ऐसे में, आप ऑर्गन मीट, बींस, साबुत अनाज और हरी और पत्तेदार सब्जियों को अपनी डाइट का हिस्सा बना सकते हैं।

जिंक

त्वचा में कोलेजन की मात्रा बढ़ाने के लिए जिंक भी बेहद जरूरी होता है। डाइट में इससे भरपूर फूड्स को शामिल करने से आप कोलेजन की कमी को दूर कर सकते हैं। यह उस प्रोटीन को एक्टिव रखता है, जो कोलेजन के प्रोडक्शन में जरूरी होते हैं। साथ ही, यह सेल्स को रिपेयर करने का काम भी करता है।

विटामिन सी

कोलेजन का उत्पादन दुरुस्त करने में विटामिन सी भी जरूरी माना जाता है। इससे स्किन को तो एंटी-एजिंग फायदे तो मिलते ही हैं, साथ ही इम्युनिटी भी स्ट्रांग होती है। खट्टे फलों की मदद से आप शरीर में विटामिन सी की कमी को पूरा कर सकते हैं।

अमिनो एसिड्स

सिर्फ प्रोटीन ही नहीं, बल्कि अमिनो एसिड्स कोलेजन का प्रोडक्शन बढ़ाने में भी अहम भूमिका निभाते हैं। अपनी डाइट में प्रोटीन रिच फूड्स को शामिल करके आप शरीर में इसकी पूर्ति कर सकते हैं। दाल, फिश या हरी सब्जियों में अमिनो एसिड्स भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं।

ब्रेकफास्ट के लिए आसान रेसिपी से झटपट बनाएं बेसन के पराठे

सुबह का नाश्ता तैयार करना कई बार एक बड़ा सिरदर्द बन जाता है। ऐसे में अगर आप भी रोजाना इसी मशक्कत से जूझते हैं तो आज हम आपके लिए एक यूनिक रेसिपी लेकर आए हैं। बेसन का चीला तो आपने कई दफा खाया होगा लेकिन इस बार हमारी बताई रेसिपी से बेसन के पराठे बनाकर देख सकते हैं। यकीन मानिए बच्चों से लेकर बड़े तक इसे खूब पसंद करेंगे।

नई दिल्ली। सुबह लंच में क्या बनाएं यह सवाल हर किसी के लिए एक बड़ा सिरदर्द होता है। ऐसे में, हम यहां आपके लिए एक टेस्टी और झटपट बनने वाला नाश्ता लेकर आएं हैं, जो हैं बेसन के पराठे। जी हां, इनका स्वाद ऐसा होता है कि बड़े तो क्या बच्चे भी इन्हीं चट कर जाएंगे। आइए अब बिना देर किए जान लीजिए इसे बनाने की आसान रेसिपी।

बेसन के पराठे बनाने की सामग्री
बेसन- 2 कप
आटा- आधा कप
प्याज - 4 टेबलस्पून (बारीक कटा)
अदरक- 1 टीस्पून (बारीक कटी)
जीरा- 1 चम्मच
हल्दी पाउडर- 1 चम्मच
धनिया पाउडर- 2 टेबलस्पून
हरा धनिया- 4 टेबलस्पून (बारीक कटा)
तेल- जरूरत के मुताबिक
नमक- स्वादानुसार

बेसन के पराठे बनाने की विधि

सबसे पहले एक बर्तन लें, इसमें बेसन और आटे के साथ सभी मसालों और सब्जियों को मिलाकर आटा गूंथ लें। इस डो में थोड़ा तेल मिला दें और इसे एक कढ़ाई में डालकर थोड़ा सा भून लें, बस 2 मिनट। फिर अब इसमें अपने स्वाद के मुताबिक नमक मिला दें। छोटे-छोटे पड़े लेकर बेल लें और पराठे तैयार कर लें। इन्हें आप चटनी के साथ खाएं, या बिना चटनी के दोनों ही तरह से ये स्वाद ही लगेंगे।

सावन के महीने में क्या खाएं और क्या नहीं, थकान और कमजोरी से बचने के लिए कैसी होनी चाहिए डाइट

इस सावन अगर आप भी व्रत (Sawan Somwar Vrat 2024) रखने जा रहे हैं तो यह आर्टिकल आप ही के लिए है। यहां हम आपको बताएंगे कि इस दौरान आपकी डाइट कैसी होनी चाहिए और किन चीजों के सेवन से आपको परहेज करना चाहिए। बता दें भगवान शिव को समर्पित श्रावण का यह पवित्र महीना इस बार 22 जुलाई 2024 से शुरू होकर 19 अगस्त तक चलेगा।

नई दिल्ली। Sawan 2024-इस साल 22 जुलाई से सावन के पावन महीने की शुरुआत हो रही है। खास संयोग है कि इस बार सावन का पहला दिन सोमवार को ही पड़ रहा है। ऐसे में, कई लोग पहले सोमवार का व्रत रखेंगे। बता दें, 19 अगस्त तक चलने वाले इस पवित्र महीने में पांच सोमवार पड़ेंगे। इस दौरान कई लोगों के लिए खानपान से जुड़ी चीजों को चुनना बेहद उलझन भरा भी हो जाता है, इसलिए इस आर्टिकल में हम आपको कुछ ऐसी चीजों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिन्हें डाइट में शामिल करके आप दिनभर एनर्जेटिक रह सकते हैं।

फल

श्रावण मास में फलों का सेवन जरूर करें। रोजाना कम से कम एक बाउल फ्रूट्स खाने से आप न सिर्फ कमजोरी से बचेंगे बल्कि दिनभर शरीर भी एनर्जेटिक बना रहेगा। ऐसे में सेब, केला, अंगूर, अनार और पपीता बढ़िया ऑप्शन्स हैं। फाइबर से भरपूर होने के कारण इन चीजों को खाने से आपका पेट भी काफी देर तक भरा रहता है।

ड्राई फ्रूट्स

शाम को व्रत खोलने के दौरान आप एक मुट्ठी ड्राई फ्रूट्स को भी डाइट में शामिल कर सकते हैं। इनमें विटामिन और कई पोषक तत्वों का खजाना होता है, जो आपको थकान और कमजोरी से बचाने में बड़ी भूमिका निभाते हैं। ऐसे में आप काजू, बादाम, अखरोट और अंजीर जैसी चीजों का सेवन कर सकते हैं।

साबूदाना

व्रत के दौरान साबूदाना खूब पसंद किया जाता है। इसकी मदद से न सिर्फ स्वादिष्ट डिशेज तैयार हो जाती हैं, बल्कि यह फाइबर और कई जरूरी पोषक तत्वों का भंडार भी होता है। शाम को व्रत खोलते वक्त आप इसकी खिचड़ी या कम तेल में बनी टिक्की भी खा सकते हैं।

सिंघाड़ा

उपवास के दौरान सिंघाड़ा भी सबसे लोकप्रिय व्यंजनों में से एक है। इसके सेवन से न सिर्फ मेटाबॉलिज्म बूस्ट होता है, बल्कि आप ऑक्सीडेटिव तनाव से भी बचते हैं। इसे खाने से शरीर को कई जरूरी एंटीऑक्सीडेंट्स मिलते हैं और पाचन तंत्र भी हेल्दी रहता है।

नारियल

सावन में व्रत के दौरान आप नारियल को भी कई तरीकों से डाइट में शामिल कर सकते हैं। यह शरीर को हाइड्रेट रखने के साथ-साथ खाने का स्वाद भी बढ़ाता है और इसके सेवन से पेट भी काफी समय तक भरा रहता है।

इन चीजों से करें परहेज

सावन के महीने में आपको ज्यादा तीखा या मसालेदार खाने से बचना चाहिए। बता दें, इससे न सिर्फ पेट में जलन और एसिडिटी की समस्या होती है, बल्कि ब्लड प्रेशर भी बढ़ सकता है।

इसके अलावा ज्यादा कार्ब्स वाली चीजों के सेवन से भी आपको बचना चाहिए।

लेंस पहनने से जैस्मिन भसीन का कॉर्निया हुआ खराब, दर्द में एक्ट्रेस बोलीं- मैं देख नहीं पा रही

जैस्मिन भसीन इस वक्त तकलीफ में हैं। हाल ही में वह एक इवेंट में शामिल हुई थीं जहां अभिनेत्री ने लेंस का इस्तेमाल किया और उनका कॉर्निया खराब हो गया है। जैस्मिन भसीन ने बताया कि लेंस पहनने के बाद से ही उन्हें तेज दर्द शुरू हो गया था लेकिन फिर भी वह इवेंट में शामिल हुईं।

नई दिल्ली। छोटे पर्दे की चर्चित अभिनेत्री जैस्मिन भसीन कुछ समय पहले दिल्ली के एक इवेंट में शामिल हुई थीं। यहां अभिनेत्री के साथ कुछ ऐसा हुआ, जिसके बाद उन्हें दिखना बंद हो गया। दरअसल, उन्होंने आंखों में लेंस पहना और तेज दर्द के बाद उनकी आंखों की रोशनी चली गई। अभिनेत्री ने एक इंटरव्यू में अपना अनुभव बताया है। बिग बॉस और खतरों के खिलाड़ी जैसे रियलिटी शोज में नजर आ चुकीं जैस्मिन भसीन ने बताया कि उनके कॉन्टैक्ट लैंस में हुई गड़बड़ की वजह से उनका कॉर्निया खराब हो गया। उन्हें यह प्रॉब्लम 17 जुलाई से होनी शुरू हो गई थी। वह उस वक्त एक इवेंट में शामिल हुई थीं।

कॉन्टैक्ट लैंस के बाद जैस्मिन को हुई प्रॉब्लम

जैस्मिन भसीन ने टाइम्स ऑफ इंडिया संग बातचीत में कहा, मैं 17 जुलाई को एक इवेंट के लिए दिल्ली में थी, जिसके लिए मैं तैयार हो रही थी। मुझे नहीं पता कि मेरे लेंस में क्या प्रॉब्लम थी, लेकिन उन्हें पहनने के बाद मेरी आंखों में दर्द होने लगा और दर्द धीरे-धीरे बढ़ता गया।

जैस्मिन भसीन को दिखना हो गया था बंद

जैस्मिन भसीन ने बताया कि वह आंखों में तकलीफ होने के बावजूद इवेंट में शामिल हुई थीं। उस वक्त उन्हें दिख भी नहीं रहा था। बकौल एक्ट्रेस, मैं डॉक्टर के पास जाना चाहती थी, लेकिन वर्क कमिटमेंट था इसलिए मैंने पहले इवेंट और फिर डॉक्टर के पास जाने का फैसला किया। मैंने इवेंट में धूप का चश्मा पहना था और टीम ने मुझे चीजों को संभालने में मदद की, क्योंकि एक वक्त के बाद मैं कुछ भी नहीं देख पा रही थी।

दर्द में हैं जैस्मिन भसीन

जैस्मिन भसीन ने आगे बताया, बाद में रात में हम एक आई स्पेशलिस्ट के पास गये, जिन्होंने मुझे बताया कि मेरा कॉर्निया खराब हो गया है और मेरी आंखों पर पट्टी बांध दी। अगले दिन मैं मुंबई चली गई और यहां अपना इलाज करा रही।

मुझे बहुत दर्द हो रहा है। डॉक्टरों ने मुझे बताया है कि मैं अगले चार-पांच दिनों में ठीक हो जाऊंगी, लेकिन तब तक मुझे अपनी आंखों की अच्छी देखभाल करने की जरूरत है।

जैस्मिन भसीन ने कहा कि इस फेज से गुजरना उनके लिए जरा भी आसान नहीं है। वह दर्द की वजह से सो भी नहीं पा रही हैं।

जंक फूड्स से यारी, दे सकती है आपको कई खतरनाक बीमारी

जंक फूड हमारे स्वास्थ्य के लिए बिल्कुल भी अच्छे नहीं होते इससे वजन बढ़ने के साथ हाई ब्लड प्रेशर डायबिटीज जैसी कई गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। इतना ही नहीं ऐसे फूड्स के ज्यादा सेवन से व्यक्ति में तनाव व चिड़चिड़ेपन की भी समस्या देखने को मिलती है।

नई दिल्ली। लत किसी भी चीज की सही नहीं। लत को ज्यादातर लोग शराब, सिगरेट से ही कनेक्ट करके देखते हैं, लेकिन जंक फूड्स का भी बहुत ज्यादा सेवन एक तरह की लत ही है, जिस ओर समय रहते ध्यान न दिया जाए, तो आप कम उम्र में ही ऐसी बीमारियों का शिकार हो सकते हैं, जिसके लिए आपको जिंदगीभर दवाइयों और दूसरों पर निर्भर रहना पड़ सकता है। 21 जुलाई को National Junk Food Day मनाया जाता है। जिसका मकसद जंक फूड्स को बढ़ावा देना नहीं, बल्कि इसके खतरों से लोगों की जान-पहचान करना है।

जंक फूड्स की सबसे बड़ी स्क्क (Unique Selling Point) है कि वो मिनटों में रेडी हो जाते हैं। यही स्क्क आज दुनियाभर के लिए बहुत बड़ा खतरा बन चुकी है। भागदौड़ भरी जिंदगी में खाना बनाना उन्हें एक टास्क जैसा नजर आता है और जंक फूड ईजी ऑप्शन। पिज्जा, बर्गर, कोल्ड ड्रिंक, फ्रेंच फाइज, आइसक्रीम से वो अपना तो पेट भर रहे हैं, साथ ही साथ बच्चों का भी। जिसके चलते बच्चे बचपन में ही बुढ़ापे में होने वाली बीमारियों का शिकार होने लगे हैं। अनहेल्दी लाइफस्टाइल के लिए आज सबसे ज्यादा जिम्मेदार जंक फूड है। इसमें मौजूद अनहेल्दी फैट, शुगर और नमक कई तरह की बीमारियों का घर है। आइए जानते हैं किस तरह की बीमारियों को बढ़ावा दे रहा है जंक फूड का मार्केट।

मोटापा

मोटापा एक ऐसी बीमारी है, जिसे समय रहते कंट्रोल न किया, तो ये हाई ब्लड प्रेशर, स्ट्रोक जैसी बीमारियों के साथ आपका चलना-फिरना भी दूभर कर सकता है। मोटापे को आप बीमारियों का शुरुआत मान सकते हैं। जंक फूड खाने की आदत से मोटापा तेजी से बढ़ने लगता है।

डायबिटीज का खतरा

जंक फूड में शरीर के लिए जरूरी न्यूट्रिशन्स न के बराबर होते हैं। जंक फूड्स में फाइबर की गैर मौजूदगी और शुगर की अधिकता ब्लड शुगर को बढ़ाने का काम करती है, जिससे डायबिटीज का खतरा बढ़ जाता है। वहीं मोटापा भी इसमें बीमारी को खतरनाक स्टेज तक पहुंचाने में मदद करता है।

हाई ब्लड प्रेशर की समस्या

बर्गर, फ्रेंच फ्राइज और इस तरह के अन्य जंक फूड्स में स्वाद नमक और डीप फ्राइड होने की वजह से आता है। जब आप इनके आदि हो जाते हैं, तो आप बॉडी में जरूरत से ज्यादा नमक पहुंचा रहे हैं। शरीर में सोडियम की अधिकता ब्लड प्रेशर के खतरे को बढ़ा देती है। हाई ब्लड प्रेशर हार्ट अटैक और स्ट्रोक जैसी बीमारियों की वजह बन सकता है।

अस्थमा को दावत

जंक फूड के खतरे सिर्फ हाई बीपी, डायबिटीज, मोटापे तक ही सीमित नहीं, इससे आपका रेस्पिरेटरी सिस्टम भी इफेक्ट हो सकता है। मोटापे की वजह से हार्ट और लंग्स पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है, जिससे आप अस्थमा का शिकार हो सकते हैं।

मेंटल हेल्थ पर असर

जंक फूड्स आपकी मेंटल हेल्थ पर भी असर डालती है। मोटापा बढ़ने से किसी तरह की फिजिकल एक्टिविटी नहीं हो पाती, जिससे स्ट्रेस हार्मोन बढ़ने लगता है और व्यक्ति में चिड़चिड़ापन, तनाव, डिप्रेशन जैसे लक्षण देखने को मिलते हैं।

स्किन को भी पहुंचाता है नुकसान

बहुत ज्यादा नमक, चीनी का सेवन आपको वक्त से पहले बूढ़ा बना सकता है। इससे स्किन की क्वॉलिटी खराब होने लगती है। हेल्दी डाइट सेहत के साथ आपकी स्किन के लिए भी जरूरी है, लेकिन जरूरी न्यूट्रिशन की कमी से चेहरा बेजान, थका हुआ नजर आने लगता है और उसका निखार भी कम होने लगता है। सेहत और स्किन को इन खतरों से बचाना है, तो जंक फूड को अपने डाइट से आउट करने का संकल्प लें।

जाह्नवी कपूर को अस्पताल में मिली छुट्टी, बहन और ब्वॉयफ्रेंड शिखर रख रहे हैं एक्ट्रेस का पूरा ख्याल

जाह्नवी कपूर अपनी पर्सनल लाइफ के साथ-साथ प्रोफेशनल लाइफ को लेकर भी अक्सर सुर्खियों में रहती हैं। इन दिनों वह अपनी आने वाली फिल्म उलझ को लेकर चर्चा में है। हाल ही में इसका ट्रेलर रिलीज हुआ था।

नई दिल्ली। एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर बीते दिनों अंबानी वेडिंग में ब्वॉयफ्रेंड शिखर पहाड़िया के साथ नजर आई थीं। इस कपल को अंनत और राधिका के हर फंक्शन में स्पॉट किया गया था। दोनों ने खूब जमकर मस्ती भी की थी। वहीं शादी के खत्म होने के बाद खबर सामने आई की अभिनेत्री अस्पताल में भर्ती हो गई है। इस खबर के बाद उनके फैंस थोड़े चिंतित हो गए थे, लेकिन अब खबर है कि जाह्नवी को अस्पताल से छुट्टी मिल गई है।

अस्पताल में मिली छुट्टी

जूम की रिपोर्ट के मुताबिक, जाह्नवी कपूर को अस्पताल से छुट्टी मिल गई है और वह अपने घर पर आराम कर रही हैं। उनके पिता बोनी कपूर ने इस खबर की पुष्टि करते हुए कहा, उन्हें आज सुबह यानी शनिवार की सुबह छुट्टी दे दी गई और वह अब पहले से काफी बेहतर हैं कि उनके पिता, उनकी बहन खुशी कपूर और कथित ब्वॉयफ्रेंड शिखर पहाड़िया हमेशा उनके साथ हैं और उनकी देखभाल कर रहे हैं।

क्यों एडमिड हुई थीं जाह्नवी

समाचार एजेंसी एएनआई की रिपोर्ट्स के मुताबिक, जाह्नवी कपूर को फूड प्वाइजनिंग की शिकायत होने के बाद मुंबई के एक अस्पताल में भर्ती करवाया गया था। जहां वो कुछ दिन एडमिट रही।

जल्द उलझ में आएगी नजर

हाल ही में उलझ का ट्रेलर रिलीज हुआ था, जिसे दर्शकों ने काफी पसंद किया। वहीं अब एक्ट्रेस के फैंस को मूवी का इंतजार है। जो सिनेमाघरों में अगले महीने रिलीज होगी। उलझ 2 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

Email: nmh.pawan@gmail.com
Contact: 9407423966, 70664886

सभी ग्राम पंचायतें बारिश के पानी की निकासी की समुचित व्यवस्था करें-श्री जैन

कलेक्टर ने ई-जनसुनवाई में किया ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान

आकाशीय बिजली से सुरक्षा के लिए दामिनी एप्प डाउनलोड करवाएं

नीमच। जिले की सभी ग्राम पंचायतें अपने क्षेत्र के गांवों में आबादी क्षेत्र में बारिश में जलभराव की समस्या का समाधान सुनिश्चित करें, यदि कही कोई जल भराव की स्थिति हो, तो जल की निकासी की समुचित व्यवस्था करें। ग्रामीणों और किसानों को आकाशीय बिजली से बचाव एवं सुरक्षा के लिए दामिनी एप्प के उपयोग के बारे में जागरूक कर दामिनी एप्प डाउनलोड करवाएं। आबादी के समीप यदि कोई बड़ा गहरा गड्ढा आदि हो और उससे किसी भी प्रकार की कोई दुर्घटना की आशंका हो, तो ऐसे गड्ढों को वायरफेंसिंग करवाकर सुरक्षित करवाए। ऐसे स्थानों पर सूचना बोर्ड भी लगवाएं। यह निर्देश कलेक्टर श्री दिनेश जैन ने सोमवार को ई-जनसुनवाई करते हुए जिले की सभी ग्राम पंचायतों के सरपंच, सचिवों, जनपद सीईओ को दिए।

ई-जनसुनवाई में कलेक्टर श्री दिनेश जैन ने वीडियो कांफ्रेसिंग के माध्यम से सोमवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच से जावद विकासखण्ड की ग्राम पंचायत आंकली, धामनिया, तारापुर, तुम्बाऔर खोर के सरपंचों और ग्रामीणों से रूबरू होते हुए उनकी समस्याएं सुनी और निराकरण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

सर्पदंश का अस्पतालों में ईलाज करवाएं

कलेक्टर श्री जैन ने ई-जनसुनवाई में ग्रामीणों से संवाद करते हुए कहा, कि बरसात के दिनों में सर्पदंश की घटनाएं देखने, सुनने को मिलती है, यदि ऐसी कोई सर्पदंश का प्रकरण सामने आए तो सर्पदंश पीड़ित को बगैर देरी किए नजदीकी स्वास्थ्य संस्था ले जाकर, उपचार करवाना चाहिए। उन्होने सरपंचों से कहा, कि वे ग्रामीणों को सर्पदंश पीडित व्यक्तियों को डॉक्टर के पास जाकर ईलाज करवाने के लिए प्रेषित करे। सभी स्वास्थ्य संस्थाओं में पर्याप्त उपचार सुविधाएं उपलब्ध है ।

यूरिया खाद की पर्याप्त उपलब्धता है

कलेक्टर श्री दिनेश जैन ने ई-जनसुनवाई में ग्रामीणों से संवाद करते हुए कहा, कि जिले की सोसायटियों में पर्याप्त मात्रा में यूरिया उपलब्ध है। सदस्य किसान सोसायटी से यूरिया प्राप्त कर सकते है और जो किसान सोसायटी के सदस्य नहीं है, वे खुले बाजार से उपलब्ध यूरिया क्रय कर सकते है।

पंचायतों में अंकुर उपवन की तैयारियां पूरी

ई- जनसुनवाई में संवाद के दौरान ग्राम पंचायतों के सरपंचों, सचिवों ने अवगत कराया, कि उनकी ग्राम पंचायतों में अंकुर उपवन के तहत 200-200 पौधा रोपण की तैयारियां पूरी कर ली गई है। वायरफेंसिंग पौधो की उपलब्धता और पौधारोपण की सभी तैयारियां कर पौधारोपण किया जा रहा है।

सुखानंद मार्ग पर पौधारोपण करें

कलेक्टर श्री दिनेश जैन ने ई-जनसुनवाई में तुम्बा ग्राम पंचायत के सरपंच एवं सचिव को निर्देश दिए, कि वे जनपद सीईओ से समन्वय कर सुखानंद सड़क मार्ग के दोनो ओर एक कि.मी.तक वृहद पौधा रोपण की तैयारी करें। उन?होने कहा, कि ट्री-गार्ड की व्यवस्था व पौधारोपण की सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ग्राम पंचायत पौधारोपण करवाए।

आंगनवाडी भवन निर्माण की राशि वसूली करें

कलेक्टर श्री दिनेश जैन ने ई-जनसुनवाई में सरपंच खोर व्दारा खेडाराठौर में आंगनवाडी भवन निर्माण की राशि पूर्व सरपंच व्दारा निकालकर भवन निर्माण नहीं करवाने की शिकायत पर जनपद सीईओ को निर्देश दिए कि पूर्व सरंपच से उक्त राशि वसूल करें। कलेक्टर ने जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी को निर्देशित किया कि वे यह देखे, कि राशि जारी करने के बाद भी जिन आंगनवाडी केंदों के भवन निर्माण पूर्ण नहीं किए गए है, ऐसे संबंधित व्यक्तियों से राशि वूसली की कार्यवाही करें।

सावन के पहले सोमवार को शिवालयों में उमड़ा आस्था का सैलाब

सिंगोली। 22 जुलाई को सावन के पहले सोमवार को क्षैत्र के हर शिव मंदिर पर बोल बम के जयकारो के साथ श्रद्धालु भक्तो की महादेव भोलेनाथ शिवलिंग के दर्शनो के लिए भीड़ रही।सिंगोली से 14 किलोमीटर दूर प्राचीन तिलस्वां महादेव मंदिर स्थित है जहां कुंड में नहाने से चर्मरोग दूर हो जाता है।भीलवाड़ा जिले में स्थित तिलस्वां महादेव मंदिर राजस्थान के प्रमुख शिवालयों में से एक है जो सिंगोली से मात्र 14 किलोमीटर दूर है। यह मंदिर अपनी अनोखी मान्यताओं और विशेषताओं के लिए जाना जाता है । यहां भगवान शिव का शिवलिंग तिल के समान है।यह शिवलिंग प्राकृतिक रूप से बना हुआ है और इसकी बनावट तिल के दाने जैसी है।शिवलिंग के साथ ही भगवान शिव की प्रतिमा भी एक ही जगह पर विराजमान है।यहां पर स्थित जल कुंड में स्नान करने एवं यहाँ की मिट्टी शरीर पर लगाने मात्र से भक्तों के चर्म रोग दूर हो जाते हैं।इस वजह से यहां सावन के अलावा भी पूरे साल भर भक्तों का आना-जाना रहता है।महाशिवरात्रि के पर्व पर मेले में यहां भक्तों का तांता लगा रहता है।सावन माह के पहले सोमवार को भी सुबह से देर शाम तक यहाँ भक्तों का आना जाना जारी रहा।

देव, गुरु और धर्म ये जीवन को तारने वाली त्रिवेणी है- सौम्ययशा श्रीजी

गुरुपूर्णिमा के अवसर पर जैन उपाश्रय में गुरुभगवंतों की वाणी का बरसा रस

मनासा। प्रत्येक धर्म में गुरु के महत्व को स्वीकारा गया है देव,गुरु और धर्म ये जीवन के उत्थान का त्रिवेणी संगम है..इन तीनों का जीवन मे बहुत महत्व है।गुरु परमात्मा का पोस्टमेन है। सोई हुई आत्मा को जगाना और परमात्म वाणी को जन-जन तक पहुंचाना गुरु का काम है।उक्त विचार गुरुपूर्णिमा के अवसर पर जैन उपाश्रय में चल रही व्याख्यान माला में प्रवचन प्रभाविका परम् पूज्या सौम्ययशा श्रीजी मा.सा. ने व्यक्त किये। आपने गुरुपूर्णिमा के महत्व को रेखांकित करते हुए जीवन में गुरु की महत्ता पर विस्तार से प्रकाश डाला।

जिस प्रकार एक दीपक अंधकार को मिटाता है उसी प्रकार गुरु अज्ञानता रूपी अंधकार को हमारे जीवन से दूर करता है। भूले -भटके को राह दिखाना एवं हमारे अंतर्मन में स्थापित राग-द्वेष की अग्नि को ठंडा करने का दायित्व गुरु का है। एकलव्य ने अपनी गुरुभक्ति से इतिहास बनाया है इसलिए गुरु से ज्ञान विनयपूर्वक ही ग्रहण किया जा सकता है।

सभी डी.डी.ओ. वित्तीय भुगतान में पूरी सतर्कता एवं सावधानी बरते- श्री सुरावत

जिले के आहरण संवितरण अधिकारियों का प्रशिक्षण सम्पन्न

नीमच। जिले के सभी डी.डी.ओ. आई.एफ.एम.आई.एस. प्रणाली के माध्यम से वित्तीय भुगतान में पूरी सतर्कता व सावधानी बरते। किसी भी देयक का भुगतान करने से पूर्व भुगतान स्वीकृति, फर्म का नाम, बैंक खाता नम्बर की जांच अच्छे से कर लें। डी.डी.ओ. अपना आई.डी., पासवर्ड एवं ओ.टी.पी. किसी के साथ भी शेयर ना करें। छोटी-छोटी सावधानी बरतते हुए दोहरे भुगतान से बचा जा सकता है। यह बात जिला कोषालय अधिकारी श्री बृजमोहन सुरावत ने सोमवार को ई-दक्ष केंद्र नीमच में जिले के सभी डी.डी.ओ. को आई.एफ.एम.आई.एस. माड्यूल पर आयोजित प्रशिक्षण को सम्बोधित करते हुए कही। इस प्रशिक्षण में आई.एफ.एम.आई.एस. माड्यूल के प्रोग्रामर शाजापुर के श्री मुकामसिह टैगोर ने कहा कि सभी डी.डी.ओ.अपना एम्पलाई कोड हमेशा याद रखे, अपने यूजर आईडी व पासवर्ड का स्वयं उपयोग करें। जिला कोषालय अधिकारी नीमच श्री बृजमोहन सुरावत ने कहा, कि सेवानिवृत्त शासकीय सेवकों के लंबित जीपीएफ ग्रेज्यूइटी, जी.आई.एस.अर्जित अवकाश आदि स्वत्वों के भुगतान करने के पूर्व यह सुनिश्चित कर, ले कि पूर्व में तो संबंधित को किसी स्वत्व का भुगतान नही हुआ है। उन्होने सेवानिवृत्त शासकीय सेवकों के भुगतान की पंजी संधारित करने के बारे में भी बताया। जिला कोषालय अधिकारी श्री सुरावत ने कहा कि डी.डी.ओ.अपने समक्ष ऑनलाईन देयक जनरेट करवाये और स्वीकृति आदेश अटेचमेंट, बैंक खाता नम्बर एवं फर्म के नाम का सही-सही मिलान अवश्य कर लें। माह में एक बार रिकन्सोलेशन रिपोर्ट की प्रति निकाल कर उसको अच्छी तरह से देख ले।

प्रशिक्षण में श्री टैगोर व श्री सुरावत ने डीडीओ की शंकाओं, जिज्ञासाओं का समाधान भी किया और पावर प्रजेंटेशन के माध्यम से विस्तार से प्रशिक्षण दिया ।

नीमच-सिंगोली सड़क मार्ग पर ताल नदी के अँधे मोड़ पर पलटा ट्रक, क्लीनर गम्भीर रूप से घायल

सिंगोली। सड़क सुरक्षा को प्रभावी बनाने के लिए ट्रेफिक पुलिस और परिवहन विभाग द्वारा सभी मानकों को पूरा कर सुरक्षा के इंतजाम किए जाते हैं लेकिन नीमच सिंगोली सड़क पर ताल नदी के समीप आज भी अंधे मोड़ के कारण लोगों की जान के लिए आफत बने हुऐ हैं जिस पर रात तो छोड़ो दिन में ही अब तक वाहन पलटने की दर्जनों दुर्घटनाएँ हो चुकी हैं जिसमें लोगों जान भी जा चुकी है जबकि कई लोग घायल हुए हैं।यह अंधा मोड़ लोगों को जीवन भर का दर्द दे रहे हैं बावजूद मोड़ पर सुरक्षा के लिए प्रशासन अब तक ठोस प्रबंध नहीं कर सका है। रविवार 21 जुलाई 2024 को भी एक बार फिर ऐसी ही दुर्घटना इस ताल नदी के अंधे मोड़ पर हुई जिसमें ट्रक क्रमांक आरजे 53 जीए 1097 नीमच ओर से सिंगोली तरफ लोड होकर आ रहा था तभी दिन में 4 बजे करीब इस अंधे मोड़ पर अनियंत्रित होकर पलट गया जिसमें क्लीनर को गंभीर चोट होने पर सिंगोली सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पहुचाया गया जहाँ उसका प्राथमिक उपचार कर क्लीनर का एक हाथ काम नहीं करने एवं अंदरूनी चोटे होने से एम्बुलेंस द्वारा नीमच रेफर किया गया वहीं ड्राइवर को कोई गंभीर चोट नहीं आई।नीमच सिंगोली सड़क पर ताल नदी के पास यू-टर्न पर वाहनों का नियंत्रण बिगड़ जाता है और वे दुर्घटनाओं का शिकार हो जाते हैं जिसकी वजह से वाहन चालक रात छोड़ दिन में ही चकमा खा जाते हैं।

इस अंधे मोड़ के अलावा सड़क के दोनों तरफ खड़ी झाड़ियों के कारण आमने-सामने से आने वाले वाहन दिखाई नहीं देते हैं जिसके कारण वाहन चालक दुर्घटनाओं का शिकार हो जाते हैं।

मोड़ पर खड़ी बड़ी-बड़ी झाड़ियों से वाहन अनियंत्रित हो जाते हैं। दूसरी तरफ यू-टर्न लोगों के लिए आफत बना हुआ है इससे कई बड़े हादसे हो चुके हैं जिनसे न तो प्रशासन ने अभी तक सबक नहीं लिया है न ही कोई जनप्रतिनिधि जिम्मेदारी के प्रति सजग हुआ है।रविवार को हुई दुर्घटना के समय मौजूद ग्रामीणों एवं राहगीरों का कहना है कि इस मोड़ पर सड़क सुरक्षा के लिए पर्याप्त इंतजाम नहीं होने से आए दिन लोग दुर्घटना में दर्द झेलने को मजबूर हो जाते है व कई बार अपनी जान गंवा देते हैं।प्रशासन एवं जनप्रतिनिधियों का इस तरफ कोई ध्यान नहीं है।

जागरुक क्षैत्रवासियों ने कई बार प्रशासन के अधिकारियों जनप्रतिनिधियों को अवगत कराकर मोड़ पर स्थाई स्पीड ब्रेकर और बैरिकेड्स लगाने की मांग की है लेकिन हादसे रोकने के कोई इंतजाम नहीं किए गए हैं।

हादसों की जगह को चिन्हित कर सड़क सुरक्षा के लिए बैरिकेड्स लगाए जाएँ साथ ही हादसे नहीं हों इसके लिए भी संबंधित विभाग एवं जनप्रतिनिधियों को जनहित में जनसुरक्षा हेतु इस अंधे मोड़ पर दुर्घटना रोकने के लिए स्थाई समाधान करना चाहिए।

SAVE WATER
SAVE TREE

प्रदेशाध्यक्ष के नेतृत्व में नीमच में सम्पन्न हुआ मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ का प्रांतीय सम्मेलन

सिंगोली। नीमच की लाल माटी पर 30 वर्षो बाद दिनांक 21 जुलाई को मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ का प्रांतीय सम्मेलन संगठन के प्रदेश अध्यक्ष शलभ भदौरिया के नेतृत्व में सम्पन्न हुआ।सम्मेलन में भाग लेने हेतु प्रदेशभर के पत्रकारों ने नीमच पहुंचकर कार्यक्रम को भव्यता प्रदान की।कार्यक्रम की अध्यक्षता संगठन के प्रदेश अध्यक्ष शलभ भदौरिया ने की और बतौर मुख्य अतिथि क्षेत्रीय सांसद सुधीर गुप्ता,राज्यसभा सदस्य बंशीलाल गुर्जर,पूर्व मंत्री विधायक ओमप्रकाश सखलेचा,नीमच विधायक दिलीप सिंह परिहार, मनासा विधायक अनिरूद्ध माधव मारू,नगरपालिका अध्यक्ष श्वाति चौपड़ा,जिला कलेक?टर दिनेश जैन,जनसम्पर्क अधिकारी जगदीश मालवीय उपस्थित थे।कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों द्वारा मां शारदा की पूजन के साथ हुई।कार्यक्रम पूर्व मंत्री ओमप्रकाश सखलेचा,विधायक दिलीपसिंह परिहार,विधायक अनिरूद्ध माधव मारू,जिला कलेक्टर दिनेश जैन ने भी अपने विचार व्यक्त किए।कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे संगठन के प्रदेश अध्यक्ष शलभ भदौरिया ने पत्रकार एकता पर जोर देते हुए अच्छी और सच्ची पत्रकारिता करने की बात कही।समारोह के दौरान मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ नीमच जिला इकाई द्वारा जिले के वरिष्ठ समाजसेवी सत्यनारायण गगरानी, जिला कलेक्टर दिनेश जैन,युवा समाजसेवी अरूल अरोरा, उद्योगपति साबीरखान स्वराज टेक्सटाइल,वरिष्ठ पत्रकार अरविंद तिवारी,वरिष्ठ चिकित्सक सरफराज मंसुरी,समाज सेवी रामनिवास पाटीदार,भरत जाट मोरवन, श्रवण पाटीदार नगर परिषद अध्यक्ष डिकेन,नारायण चारण गरवाड़ा,पुरण सहगल मनासा,राजस्थान फिल्म अभिनैत्री प्रतिष्ठा ठाकुर,डाक्टर अक्षिता व्यास डिकेन का अतिथियों द्वारा अभिनंदन पत्र एवं शाल श्रीफल देकर सम्मान किया।जिलाध्यक्ष प्रदीप जैन ने अपने स्वागत भाषण में सभी का स्वागत अभिनंदन किया। कार्यक्रम में संगठन के वरिष्ठ नेता शरद जोशी, प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष मोहम्मद अली, उपेन्द्र गौतम, अनिल त्रिपाठी,दिलीपसिंह भदौरिया, महासचिव सुनिल त्रिपाठी,कार्यकारी महासचिव सत्यनारायण वैष्णव,कोषाध्यक्ष शिशुपालसिंह तौमर, सरलप्रताप भदौरिया,अमित द्विवेदी, रिजवान अहमद, राजकुमार दुबे उपस्थित रहे। आगंतुक अतिथियो का नीमच जिला इकाई के अध्यक्ष प्रदीप जैन एवं उनकी टीम ने स्वागत अभिनंदन किया।कार्यक्रम दो सत्र में सम्पन्न हुआ प्रथम सत्र प्रांतीय सम्मेलन और दूसरा प्रदेश कार्यसमिति बैठक के रूप में हुआ जिसमें पूर्व की बैठक के निर्णय ओर आगामी विषयो पर चर्चा हुई।

कार्यक्रम का संचालन कपिलसिंह चौहान एवं रिजवान अहमद ने आभार व्यक्त किया।प्रांतीय सम्मेलन के मुख्य समारोह के दौरान जिलाध्यक्ष प्रदीप जैन के संपादन में निकाले गए श्रमजीवी बुलेटिन विशेषांक का विमोचन अतिथियो द्वारा किया गया।

सभी एंबुलेंस से निश्चित गाइडलाइन का पालन करवाए -कलेक्टर

साप्ताहिक अंतर विभागीय समीक्षा बैठक संपन्न

मंदसौर। कलेक्टर श्री दिलीप कुमार यादव की अध्यक्षता में साप्ताहिक अंतर विभागीय समीक्षा बैठक सुशासन भवन सभागृह में आयोजित की गई। बैठक के दौरान कलेक्टर ने सिविल सर्जन एवं आरटीओ को निर्देश देते हुए कहा कि सभी एंबुलेंस द्वारा गाइडलाइन का पालन किया जाए। एंबुलेंस द्वारा किराया लेना, ऑक्सीजन की समस्या इत्यादि की शिकायत प्राप्त नहीं होनी चाहिए। कोषालय अधिकारी को निर्देश देते हुए कहा कि जिन विभागों ने सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों को नहीं देखा है।

उन विभाग के अधिकारियों का वेतन काटने की कार्यवाही की जाए। राजस्व महा अभियान अंतर्गत प्राथमिकता के साथ लंबित प्रकरणों का निराकरण करें। इस अभियान के अंतर्गत सभी एसडीएम तहसीलों का प्रकरण वाइज निरीक्षण भी करें। एक पेड़ मां के नाम अभियान अंतर्गत सभी सीईओ पेड़ लगाने की कार्यवाही समय सीमा में पूर्ण करें।

पीआईयू विभाग मेडिकल कॉलेज से संबंधित अधूरे कार्यों को जल्द पूर्ण करें।

कृषि विभाग एवं सहकारिता विभाग को निर्देश देते हुए कहा कि सोसायटी में पर्याप्त खाद उपलब्ध रहे। प्रतिदिन गूगल सीट पर सोसायटी अनुसार खाद की जानकारी अपडेट करें। बैठक के दौरान वनमंडल अधिकारी श्री संजय रायखेड़े, अपर कलेक्टर श्रीमती एकता जायसवाल, सभी एसडीएम, सभी जिलाधिकारी मौजूद थे।

आई.टी.आई.में प्लेसमेंट ड्राईव 25 को

नीमच। शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था जावद में 25 जुलाई 2024 को प्रात: 10.00 से 2.00 बजे तक बेकर्ट इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड एवं रायचेम प्राइवेट लिमिटेड द्वारा केम्पस प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया जा रहा है। महाराष्ट्र एवं गुजरात के लिए मशीन ऑपरेटर, प्रोडक्शन असेंबली पदो पर इंटरव्यू के माध्यम से भर्ती की जावेगी ।

इस केम्पस ड्राइव में 10वीं, 12 वीं एवं आई.टी.आई.उत्तीर्ण 18 से 34 वर्ष आयु सीमा के उम्मीदवार सम्मिलित हो सकते है। पूर्व पंजीयन दी गई लिंकसे https://forms.gle/uFvBwWxKZGMWGqKgJ से कर सकते है। इंटरव्यू में सम्मिलित होने वाले सभी उम्मीदवार अपना रिज्युम, एजुकेशन डॉक्युमेंट्स आवश्यक रूप से लेकर आवे। यह जानकारी आई.टी.आई.जावद के प्राचार्य ने दी है।

नपाध्यक्ष व सीएमओ जान बूझकर समस्या कर रहे पैदा

गणपति नगर वार्ड नंबर 8 फिर हुआ तालाब में तब्दील

नीमच। निरंतर हो रही बारिश से वार्ड नंबर 8 गणपति नगर के हालत बदतर हो रहे है, लगभग 2000 से अधिक रहवासी इससे प्रभावित हो रहे है। रहवासियों के निवेदन के बाद भी नगरपालिका ने इस क्षेत्र के तीन माह पूर्व सीसी रोड़ बनाते समय बारिश के पानी की निकासी हेतु जानबूजकर नाली नही बनाई गई। जिससे वर्तमान में हालत बदतर हो रहे है। इन सब के जिम्मेदार नपा के अधिकारी ओपी परमार व सीसी रोड निर्माण ठेकेदार है जिन्होंने जानबूझकर नाली निर्माण नहीं किया। रहवासी बारिश के पानी की निकासी हेतु नगर पालिका के जिम्मेदारों को बता चुके है, सैकड़ों बार निवेदन कर चुके है लेकिन नगर पालिका के जिम्मेदार कुंभकर्णी नींद में सोए हुए है। जिससे क्षेत्र के हालात बदतर हो रहे है।

पानी भरा होने से रहवासियों को आने जाने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। जब तक पानी भरा रहेगा तब तक आ जा नही सकते मजबूरी हुई तो पानी के बीच से होकर निकलो।

यहां जहरीले जानवरो व करंट का डर भी बना हुआ है। लगता है नगरपालिका को किसी अप्रिय घटना का इंतजार है।

क्षेत्र के रहवासियो ने कहा कि नपाध्यक्ष व सीएमओ जानबूझकर इस क्षेत्र की समस्या हल नहीं कर रहे है। वे जानबूझकर समस्या पैदा करने का काम कर रहवासियों को पीड़ा पहुंचा रहे है।

एकता कॉलोनी वासियों ने कलेक्टर के नाम सौंपा ज्ञापन, एक महिला पर लगाए वेश्यावर्ती ओर मारपीट करवाने के आरोप

नीमच। बघाना थाना क्षेत्र अंतर्गत आनेवाले एकता कॉलोनी झुग्गी बस्ती में एक महिला के आतंक से कालोनी वासी परेशान है कॉलोनी वासियों ने महिला पर अवैध रूप अधिवासी होकर देह व्यापार करवाकर अश्लीता फैलाने व मना करने पर असामाजिक तत्वों को बुलाकर मारपीट करवाने के आरोप लगाए है।जिसकी शिकायत भी कॉलोनी वासियों द्वारा पूर्व में बघाना थाने पर कर रखी है परंतु कोई कार्रवाई नहीं होने के कारण महिला द्वारा कालोनी वासियों से निरन्तर विवाद व मारपीट करवाई जा रही है,जिसको लेकर आज मंगलवार को एकता कालोनी वासी कलेक्टर कार्यालय पहुचे जहां उन्होंने एक आवेदन प्रस्तुत किया जिसमे बताया कि वह लोग एकता कालोनी झुग्गी बस्ती नीमच में निवास करते है और सभी मजदुरी वर्ग से है मोहल्ले में वर्तमान में पारीबाई नामक महिला अवैध रूप से मोहल्ल में अधिवासित है।

जिसके सम्बन्ध विशेष वर्ग के घाघु मुसलमान से है और यह लोग एक संगठीत आपराधिक गैग संचालित करते है इसी खोफ़ के चलते उक्त पारिबाई द्वारा मोहल्ले मे नाबालिग लड़कीयो व महिलाओ को अवैधानिक तौर से बुलाकर अपने घर में अवैध रूप से उनसे अवैधानिक व्यवसाय वेश्यावृति करवाती है।

जिसके चलते उक्त क्षेत्र में कई असामाजिक तत्व एव आराधिक प्रवृति के लोगो का डेरा जमा रहता है यह लोग आस पास के रहवासीया की बहन बेटीयो पर भी गंदी नजर रखते हुवे गंदी गंदी अश्लील फब्तीया कसते है और अश्लीलता फैलाते है। कालोनी वासियो द्वरा मना करने पर यह लोग अपनी विशेष वर्ग के लोगो को बुलाकर खुल्ले आम हथियार लहराकर खौफ कायम करते व धमकीया देते कि किसी ने इस कृत्य के खिलाफ आवाज उठाई तो उसको जान से खतम कर देगें और उसकी बहन बेटीयो से खुल्लेआम बिच बजार में वेश्यावृति करवायेगें, उपरोक्त लोग धर्मातरण के लिये अपने खौफ से नाबालिग लड़कीयो को गुमराह कर रहे है व दबाव बना रहे है। उक्त कृत्यों के संबंध में मोहल्ले वासियों ने दिनांक 18.07.2024 को विरोध किया तो,पारीबाई ने अपने गिरोह के 40-50 व्यक्तियों को बुलाया और एकमत होकर लाठी डण्डे, तलवारे, हॉकी बेसवाल व अन्य धारदार हथियार लेकर पुरे मोहल्ले में लोगो के घरो में जबरन घुस कर गुण्डा गर्दी की और महिलाओं को डराया धमकाया ओर अश्लील गालियां भी दी,जाते जाते यह भी कहा कि आज के बाद अगर किसी ने कोई विरोध किया तो उनकी भी बहन बेटियों को जबरन उठा ले जायेगें और उसको हैदराबाद लेजाकर बेच देगें।

जिसके संबंध मे कॉलोनी वासी रिपोर्ट करने के लिये बघाना थाना गये तो पुलिस ने उक्त आरोपी गणों के खिलाफ रिपोर्ट नही लिखी और भगा दिया।यही नही उक्त आरोपीगण द्वारा अपने संरक्षण में इसी क्षेत्र में किसी वसीम नामक व्यक्ति से सरेआम नशे की अवैधानिक वस्तुऐं गाजा आदि बेचा जा रहा है और इन लोगों ने ही उसे संरक्षण दे रखा है ।

यह लोग निरन्तर अपराध को अपने खौफ के बल पर अंजाम दे रहे है जिसकी समय समय पर संबंधित पुलिस थाने में सूचना देने के उपरान्त भी पुलिस इन आरोपीगण के खिलाफ कार्यवाही नही कर रही है जिसकी वजह से कालोनी वासी अपने आप को असुरक्षित महसूस कर रहे है दिए गए ज्ञापन में मांग की गई है कि इस संबंध में त्वरित कार्यवाही की जाकर उक्त आरोपीगण को तुन्तर गिरफ्तार किया जाकर प्रकरण दर्ज किया जावे और कॉलोनी वासियो की जान माल व इज्जत की सुरक्षा प्रदान करवाई जावे।साथ ही उक्त महिला को कालोनी से बेदखल किया जाए ।

पशुओं के प्रति क्रूरता अधिनियम में दो वाहन राजसात

नीमच। अपर कलेक्टर श्रीमती लक्ष्मी गामड़ व्दारा थाना जीरन के अपराध क्रमांक 61/2024 धारा 4,6,10 म.प्र.कृषक पशु परीरक्षण अधिनियम 4,6,9 म.प्र.गौवंश वध प्रतिशेध अधि. एवं 11(2) पशुओं के प्रति क्रूरता का निवा. अधिनियम अंतर्गत प्रकरण में दो वाहन राजसात किए गऐ है। प्रकरण में विचारण उपरांत एडीएम न्यायालय व्दारा 16 जुलाई 2024 को आदेश पारित कर प्रकरण में जप्तशुदा ट्रक RJ 19 GB 6526एव RJ19GB 0732 तथा दोनों वाहनों में क्रूरतापूर्वक वध हेतु ले जाए जा रहे कुल अवैध 34 गौवंश को मध्यप्रदेश गौवंश वध प्रतिषेध अधिनियम 2004 व 11(घ) पशु परिरक्षण अधिनियम व पशु क्रूरता निवारण अधिनियम 1960 के उल्लंघन के फलस्वरूप मध्यप्रदेश गौवंश वध प्रतिषेध नियम के तहत शासन हित में राजसात किया गया है

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक एवं मुद्रक ऐश्वर्य शर्मा के लिए माँ भगवती प्रिन्टर्स बंगला-23, आईडीबीआई बैंक के सामने, नीमच, जिला-नीमच, मध्यप्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पर्कः 9407423966। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र नीमच होगा।